NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 LG ने नहीं मंजूर किया सिसोदिया-सत्येंद्र जैन का इस्तीफा
05 भारतीय बाजार में Matter की धांसू इलेक्ट्रिक बाइक हुई लॉन्च
08 बिल गेट्स ने की मनसुख मंडाविया ने मुलाकात, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

आज का सुविचार

"बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, सबसे आगे सोचो, विचारों पर किसी का भी एकाधिकार नहीं है।"

इनसाइड

हाईवे पर खड़ी कैंटर में जा घुसी कार, महिला समेत चार की मौत

हापुड़। इससे एक महिला समेत कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस कार सवारों की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। जबकि गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हापुड़ के बाबूगढ़ थाना अंतर्गत हाइवे 09 पर हुए भीषण हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। जबकि कार में सवार तीन साल की मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई है। पुलिस के अनुसार दिल्ली निवासी परिवार गढ़ में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहा था। सुबह 4.00 बजे जैसे ही कार हाईवे पर गांव रसूलपुर कट के पास पहुंची तो किनारे खड़े कैंटर में जा घुसी।

दिल्ली में बाइक टैक्सी सर्विस बैन, Swiggy के डिलीवरी बॉय का कटा 15 हजार का चालान; कंपनी ने सरकार को लिखा पत्र

संजय बाटला

दिल्ली में बाइक ट्रैक्सी के प्रतिबंध के बाद फूड डिलीवरी करने वाले ऐप के बाइक सवारों के चालान हो रहे हैं। Swiggy के एक डिलीवरी बॉय का 15 हजार रुपये का चालान कट गया। अब कंपनी ने दिल्ली सरकार को पत्र लिखा है।

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी करने वाले ऐप Swiggy और Zomato ने दिल्ली सरकार से उनके दोपहिया वाहनों के चालान काटे जाने पर शिकायत की है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार ने बाइक टैक्सी सर्विस पर प्रतिबंध लगा दिया है। बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध के बीच फूड की डिलीवरी करने वाले स्विगी और जोमैटो के दोपहिया वाहनों के चालान काटने की बात सामने आई है।

दिल्ली सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

अब फूड डिलीवरी करने वाले प्लेटफॉर्म्स ने इस निर्देश पर दिल्ली सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही दावा किया गया है कि बाइक टैक्सी सर्विस के बैन पर जारी नोटिस की गलत व्याख्या की गई है। स्विगी ने सरकार को लिखे पत्र में कहा है कि बाइक टैक्सी सेवाओं पर प्रतिबंध की आड़ में फूड डिलीवरी करने वालों पर 15,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा रहा है।

नियमों में बदलाव से व्यवधान

स्विगी के एक प्रवक्ता ने कहा, ₹दिल्ली में बाइक टैक्सी सर्विस के नियमों में हाल के बदलावों ने फूड डिलीवरी एग्रीगेटर्स के लिए व्यवधान पैदा किया है। केवल बाइक टैक्सी सर्विस प्रोवाइडर पर लागू होने के बावजूद हमारे डिलीवरी बॉय के गलत तरीके से चालान जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिलीवरी बॉय को जारी किए गए कुछ चालान 15,000 रुपये से अधिक के हैं।

फूड डिलीवरी करने वालों में डर

आगे बताया गया कि इसने हमारे डिलीवरी अधिकारियों के बीच डर और आशंका पैदा कर दी है। प्रवक्ता ने कहा, ₹हम सरकार के निर्देश पर स्पष्टता के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखते हैं। मामले पर स्पष्टीकरण की मांग करते हुए, ज़ोमैटो ने दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग को लिखे पत्र में कहा है कि आरटीओ अधिकारियों द्वारा अधिसूचना की गलत व्याख्या की गई है।

उन्होंने मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा, ₹इससे सेवाओं में व्यवधान पैदा हुआ है और डिलीवरी करने वाले एग्रीगेटर्स के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है, जो अब अपनी सेवा प्रदान करने से आशंकित हैं और उन्हें दंडित किए जाने और ड्यूटी के दौरान परेशान किए जाने का डर है।

दिल्ली की सड़कों पर दौड़ती 'लाल-हरी' मौत!

एनटीवी संवाददाता

वो अपनी पत्नी के साथ स्कूटर से घर लौट रहे थे, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि ये उनकी पत्नी का आखिरी दिन है। उन्हें नहीं पता था कि दिल्ली की सड़कों पर दौड़ती डीटीसी की बस काल बनकर आएगी और उनकी पत्नी की जिंदगी छीन लेगी।

नई दिल्ली। वो अपने पति के साथ स्कूटर पर बैठी थीं। सामने रेड सिग्नल था। स्कूटर रुका हुआ था, तभी पीछे से तेज स्पीड से एक डीटीसी बस आई और स्कूटर को हिट करते हुए साइड से आगे निकल गई। स्कूटर चला रहे दिल्ली के किशन पाल स्कूटर समेत नीचे गिर गए। उन्हें समझ ही नहीं आया कि क्या हुआ। बड़ी मुश्किल से उठे तो देखा कि स्कूटर के पीछे बैठी उनकी पत्नी रेनू गायब है। आसापास लोग इकट्ठा होने लगे। किसी ने बताया कि आपकी पत्नी तो डीटीसी (DTC) बस अगले हिस्से में नीचे की तरफ फंस चुकीं हैं।

काल बनकर आई दिल्ली डीटीसी बस

किशन पाल मदद के लिए चिल्लाने लगे। लोगों ने बस को पीछे धकेलने की कोशिश की ताकी उनकी पत्नी को बाहर निकाला जा सके, लेकिन बस भारी होने की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। कई देर तक उनकी किशन पाल की पत्नी रेनू बस के नीचे फंसी रही। कुछ देर बाद क्रेन आई और उनकी पत्नी को बस के नीचे से निकाला गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। रेनू की मौत हो चुकी थी।

रेड लाइट के बावजूद नहीं रुकी बस

दिल्ली की सड़कों पर डीटीसी बस ड्राइवरों की रैश ड्राइविंग की वजह से एक और जान जा चुकी थी। दिल्ली के छतरपुर इलाके में 24 फरवरी को रात साढे 9 बजे रेड लाइट पर हुई इस घटना एक्सिडेंट कहना गलत होगा। ये एक्सिडेंट नहीं बल्कि कत्ल था। सामने रेड सिग्नल था ड्राइवर रेड लाइट देखने के बावजूद नहीं रुका। वो तेज स्पीड से आगे बढ़ता रहा और इसकी सजा भुगतनी पड़ी किशन पाल के हंसते खेलते परिवार को।

डीटीसी की वजह से जाती हैं कई जानें

रैश ड्राइविंग और फिर मौत का ये कोई पहला मामला नहीं है। दिल्ली में अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती है जब बस ड्राइवर की लापरवाही से लोगों को अपनी जान गवांनी पड़ती है। साल 2022 में डीटीसी बसों की वजह से पिछले 4 साल में सबसे ज्यादा 37 लोगों की जान जा चुकी है, जबकी कुल 110 एक्सिडेंट हुए हैं। इसी तरह 2021 में भी डीटीसी बस काल बनकर 18 लोगों की जिंदगी ले चुकी है। 2020 में डीटीसी बस से कुचलकर 19 लोगों की मौत हुई, जबकी 2019 में दिल्ली के 20 लोग डीटीसी बसों के शिकार बने।

बस ड्राइवर की लापरवाही पर लगाम क्यों नहीं?

सवाल ये है कि आखिर क्यों बसों के ड्राइवर पर लगाम नहीं लगाई जाती। क्यों दिल्ली की सड़कों पर इस तरह की लापरवाही बसों के ड्राइवर करते दिखते जिसकी कीमत किसी दूसरे की जान होती है। किशन लाल का परिवार ये समझ पा रहा कि आखिर उन्हें किस बात की सजा मिली। वो तो पूरी ईमानदारी से ट्रेफिक के नियम के हिसाब से स्कूटर चला रहे थे फिर क्यों दिल्ली की डीटीसी बस उनकी पत्नी के लिए काल बन गई। किशल लाल के दो बेटे हैं। उस रात ये पति-पत्नी अपने घर नांगल राई लौट रहे थे। कुछ दिन बाद उनके बड़े बेटे का जन्मदिन है। रेनू अपने बेटे के जन्मदिन के लिए बेहद उत्साहित थी, लेकिन अब इनके घर में मातम पसरा है।

Delhi EV sales: EV की बिक्री छह महीने के निचले स्तर पर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार यह सितंबर 2022 के बाद का सबसे कम स्तर है। आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर 2022 में दर्ज 8,154 वाहन बिक्री के सर्वकालिक शीर्ष स्तर के मुकाबले इसमें 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

वित्त वर्ष 2022-23 के फरवरी महीने में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की कुल EV बिक्री में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। तिपहिया वाहनों की बिक्री 34 प्रतिशत और चार पहिया वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत रही। कुल वाहनों की बिक्री में भी EV की हिस्सेदारी घटकर 10 प्रतिशत रह गई, जो पिछले साल के दिसंबर के 16 प्रतिशत थी। हालांकि कुल वाहन बिक्री में राष्ट्रीय राजधानी की EV हिस्सेदारी 4.7 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से अधिक है, लेकिन इस गिरावट ने दिल्ली सरकार के लिए चिंता बढ़ा दी है।

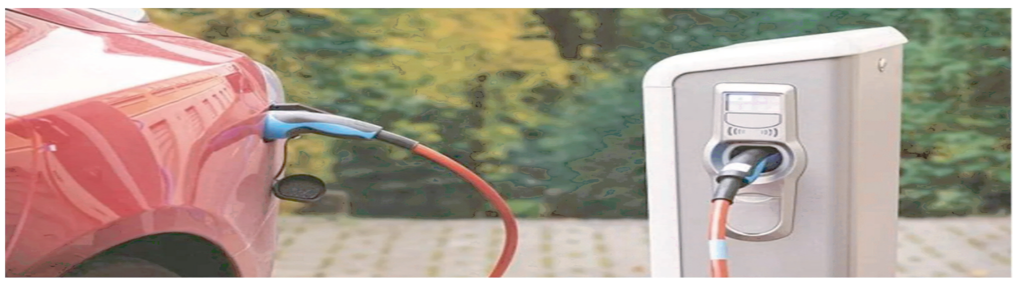

जय जय श्री राम का नारा लगाकर युवा मंडल द्वारा महाध्वज का किया नगर भ्रमण

एनटीवी ब्यूरो

रतलाम। रतलाम जिले के ताल समीप ग्राम नासिरगंज मे भागवत कथा से प्रेरित होकर अन्य गाँव व नगरो की तरह इस गाँव मे भी मंगलवार को होने वाले वीर बजरंगबली के झंडे का नगर भ्रमण का किया शुभारंभ. हाल ही ग्राम नासिरगंज मे कथाव्यास पं. हरीश जी उपाध्याय उज्जैन वाले के मुखारविंद से हुई भागवत कथा से प्रेरित होकर गाँव के सभी युवामंडल ने आज से प्रति मंगलवार को श्री राम हनुमान महाध्वज को नगर भ्रमण करवाने का दृढ़ संकल्प लिया. धर्म की इस प्रारंभिक यात्रा मे सभी युवापीढ़ियों ने वीर बालाजी का अभिषेक पूजन कर चोला श्रृंगार किया. इसके पश्चात युवामंडली ने बड़े ही हर्षउल्लास के साथ जय-जयकार का उद्घघोष कर जय जय सिया राम का नारा लगाते हुए नवयुवाओं मे उत्सुकता व जूनून भी देखा गया नाच गानो के साथ कीर्तन की गूंज व ढ़ोल नगाडो, मस्ती मे झूमते हुए नजर आये भक्तगण. सभी ग्रामवासियो ने युवाओं के इस सराहनीय कार्य को प्रोत्साहित करते हुए बालाजी के इस ध्वज का अपने घर के समक्ष किया स्वागत,, गाँव के सभी भक्तो ने बालाजी के झंडे को आता देख, अपने-अपने घर से बाहर निकलकर महाध्वज की भेंटपूजा अर्चना, दीपआरती के साथ, तरह-तरह के फल व धान्यो से भरी गोद. नगर भ्रमण के पश्चात बालाजी मंदिर परिसर मे बैठकर मंडल के युवाओं ने भजन-कीर्तन तथा श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर, महाआरती व प्रसाद वितरण कर किया इस नगर भ्रमण का प्रारंभ. युवाओं द्वारा नगर मे हुई इस पहल को देख अन्य ग्रामीणों ने भी इस आयोजन की करी सराहना ! व युवाओं को किया सम्मानित।

दिल्ली में जिहादियों द्वारा एक और जघन्य अपराध

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नईदिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में जिहादियों द्वारा लव जिहाद में भोली भाली बच्चियों को फसाना एवं उनको धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव डालना और ना मानने के लिए उनकी हत्या कर देना। साथ ही जिहादियों द्वारा भोले भाले हिंदू युवकों जी जघन्य हत्या करना, जमीन जिहाद के कारण जमीनों पर कब्जा करके मस्जिद बनाना, हिंदू लोगों को धमकाना, इत्यादि यह जघन्य अपराध आम बात हो गई है। विश्व हिंदू परिषद ने पिछले कुछ वर्षों में इन अपराधों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए आवाज उठाई, प्रशासन ने कुछ कार्यवाही भी की परंतु घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। ऐसा लगता है जिहादी मानसिकता के लोग हमको मानसिक रूप से डराने का प्रयास कर रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने इनके खिलाफ प्रदर्शन आरंभ किया तब से कुछ घटनाएं कम हुई परंतु दिल्ली में कहीं ना कहीं कुछ घटनाएं तो होती ही रही है, विश्व हिंदू परिषद इसका संज्ञान लेता रहा है। भारत की राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी में भी पिछले कुछ वर्षों में बहुत ही जघन्य अपराध हुए जिसमें लव जिहाद, हत्या इत्यादि। परंतु कुछ दिन पहले जहांगीरपुरी इलाके में दीपू नामक अबोध बच्चे का जिहादियों द्वारा अपहरण किया जाता है उसके साथ मारपीट की जाती है तथा उस बच्चे से ब्लोजॉब करवाकर उसके मुंह में मूत्र डाला जाता है यह कितना जघन्य और शर्मनाक अपराध है जो हमारे हिंदू समाज के लिए मानसिक यंत्रणा से कम नहीं हो सकता और ऐसा भी लगता है कि जिहादी लोग तरह-तरह के कुकृत्य करके हिंदू समाज को खुला चौलेंज कर रहे हैं। अबोधबालक दीपू के साथ इस जघन्य अपराध के खिलाफ बजरंग दल ने पुलिस में एफ आई आर दर्ज कराई तथा पुलिस ने एक जेहादी को गिरफ्तार कर लिया परंतु बाकी अन्य अपराधी पुलिस के गिरफ्त में नहीं आ पाए हैं यह एक तरह से पुलिस की नाकामी है। पीड़ति परिवार कितनी मानसिक पीड़ा से गुजर रहा होगा यह हम सभी अपने आप को उनकी जगह रख कर देख सकते हैं। इस जघन्य घटना का संज्ञान लेते हुए विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता प्रांत सह संयोजक श्रीमान गोल्डी जी के नेतृत्व में पीड़ति परिवार को सांत्वना देने गए तथा पुलिस प्रशासन पर अन्य अपराधियों को गिरफ्तार करके उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने को कहा। प्रांत मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि हिंदू समाज के सभी लोगों को इस जघन्य अपराध के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए क्योंकि हो सकता है जो आज यह घटना इस बालक के साथ घटी है, कहीं और अन्य जगह ना घटे इसको सुनिश्चित करते हुए हिंदू समाज को एकत्रित होना होगा और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए पूरा विरोध करना होगा। उन्होंने कहा पुलिस प्रशासन से हमारी मांग है तुरंत दोषी जिहादियों को गिरफ्तार किया जाए, ऐसा भी ध्यान में आ रहा है की पहले भी दोषी 3 माह की जेल काट कर आएं हैं। सुरेंद्र गुप्ता ने कहा अगर पुलिस प्रशासन सुरक्षा नही दे सके तो विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ स्वयं सुरक्षा के लिए निकल पड़ेंगे।

सबसे ईमानदार पार्टी का 9 साल में जो दिखा चेहरा, जाने आप के 5 मंत्रियों को 9 साल में रेप, फर्जी डिग्री और घोटाले में करनी पडी जेल यात्रा- आप का कच्चा चिट्ठा

एस.ठी. सेठी

एनटीवी संवाददाता। कट्टर इमानदार, भ्रष्टाचार के खिलाफ, जनलोकपाल जैसे मुद्दों की सीढी से 10 साल पहले समाजसेवी बूडे अन्ना हजारे की पीठ पर सवार हो आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी (आप) ने जिस तेजी से बडे-बडे सत्ताधीश को धूल चटाकर देश की राजधानी दिल्ली की कुर्सी पर आसानी से आसीन हुए केजरीवाल का सूरज उतनी ही तेजी से ₹ दागदार₹ और बदनुमा दाग में तब्दील होता जा रहा है। पिछले 9 साल में पार्टी के लोगों ने ही भरोसा तोडा है। इसी कडी में आप के कथित रहनुमाओं ने राशन के बदले रेप, फर्जी डिग्री और घोटाले की जद में फंसे पिछले 9 साल के इतिहास में आप के 5 मंत्रियों को जेल की यात्रा करनी पडी है।

हालांकि इतिहास बनाते हुए महज 10 में ₹राष्ट्रीय पार्टी₹ का दर्जा हांसिल करने के लिए दावेदारी पेश करने वाली पार्टी के कई नेता जेल यात्रा कर चुके हैं। खुद ₹आप₹ संयोजक अरविंद केजरीवाल के 5 मंत्री अब तक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। सिसौदिया और सत्येंद्र जैन से पहले भी 3 मंत्री राशन कार्ड के बदले रेप, फर्जी डिग्री जैसे मामलों में गिरफ्तार किये जा चुके हैं। वहीं पंजाब में भी पार्टी के 2 मंत्री पहले ही साल में गिरफ्तार हो चुके हैं। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिक्षा, वित्त, आबकारी, समेत 18 विभागों का जिम्मा संभालने वाले मनीष सिसौदिया को शराब घोटाले में गिरफ्तार किया गया है। सिसौदिया पर आरोप है कि उनके आबकारी मंत्री रहते शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाने वाली नीति बनाई गई और इसके बदले पार्टी को 100 करोड रूपये की रिश्वत मिली। सीबीआई और ईडी ने शराब घोटाले में सिसौदिया को मुख्य आरोपी बनाया है। और उनके ठिकानों पर छापेमारी भी की जा चुकी है। जांच ऐजेंसी का दावा है कि उसके पास सिसौदिया को दोषी साबित करने के लिए पुख्ता सबूत है। वहीं मनी लांड्रिग केस में सत्येंद्र जैन पिछले 9 महीने से तिहाड जेल मे बंद है। तिहाड जेल में रेपिस्ट कैदी से मसाज लेने और महाठग

सुकेश चंद्रशेखर से वसूली के आरोप भी जेल में रहते हुए लगे हैं। पिछले 9महीने से जैन को लेकर केजरीवाल सरकार की खूब किरकिरी हुई है। हालांकि आप लगातार उन्हें निर्दोष बताते हुए बचाव करती रही है।

तीसरे मंत्री सितंबर 2016 में उस समय सनसनी फैल गई थी, जब केजरीवाल सरकार में मंत्री संदीप कुमार की अश्लील वीडियो (सीडी) सामने आ गई। टीवी चैनलों पर सीडी चलने के बाद जहां आप पार्टी की किरकिरी होने लगी तो पीडित महिला ने सुल्तान पुरी थाने में मुकदमा दर्ज करके आरोप लगाया कि मंत्री ने राशन कार्ड बनवाने के बहाने उसके साथ संदीप ने दुष्कर्म किया और वीडियो भी बनाया। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री के पद पर रहे संदीप को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया तो उनकी कुर्सी भी चली गई। हालांकि संदीप ने खुद को बेकसूर बताते हुए वीडियो को फर्जी बताया था।

जून 2015 में केजरीवाल सरकार में तब कानून मंत्री जितेंद्र तोमर को फर्जी डिग्री केस में गिरफ्तार कर लिया गया था। तोमर के खिलाफ धोखाधडी, आपराधिक साजिश समेत आईपीसी की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जितेंद्र तोमर पर आरोप लगा कि उनकी ग्रेजुएशन और एलएलबी की डिग्री फर्जी है। बिहार की तिलका मांझी यूनिवर्सिटी ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया था कि तोमर की डिग्री फर्जी है। इस मामले में मंत्री पद तो गया ही जनवरी 2020 में हाईकोर्ट ने तोमर की विधानसभा सदस्यता भी रद्द कर दी। थी। तोमर ने 2015 में त्रिनगर सीट से जीत हांसिल की थी। इसी कडी में साल 2018 में दिल्ली सरकार के मंत्री असीम अहमद खान पर एक बिल्डर से 6 लाख रूपये रिश्वत लेने का आरोप लगा था। ऑडियो टेप सामने आने के बाद सीएम केजरीवाल ने असीम को बर्खास्त कर दिया था। खुद प्रेस कांफ्रेंस करते हुए इसका ऐलान करने वाले केजरीवाल ने कहा था कि किसी का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, यदि खुद उनका या मनीष सिसौदिया का भी कोई भ्रष्टाचार सामने आएगा तो बख्शा नहीं जाएगा। बाद में असीम ने अपने उपर लगे आरोप को झूठा बताते हुए अपनी जान को केजरीवाल से खतरा बताया था। इनके अलावा विवादों में गिरफ्तार होने वाले आप नेताओ में सोम नाथ भारती के नाम प्रमुख है। साल 2014 में उनकी पत्नी ने घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराया था। उस केस में वह 8 दिन जेल में बिताने के बाद उन्हें जमानत मिली थी। वक्फ बोर्ड में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर विधायक अमानातुल्ला खान भी जेल जा चुके हैं। आरोपों में घिरे विधायक प्रकाश जामवाल हो या हाल ही में शराब घोटाले को लेकर गिरफ्तार किए गए विजय नायर, आप में विवादित चेहरों की कमी नहीं है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

फीमेल ऑर्गेज्म से जुड़े हैं ये 5 अज्ञात फैक्ट्स, जानकर आप भी हो जाएंगी हैरान

महिलाओं के शरीर से जुड़े फैक्ट्स महिलाओं को खुद पता नहीं होते हैं. उन्हें अपने शरीर के बारे में समझने की जरूरत है, खुलकर बात करने की जरूरत है, न की इस पर चुप रहने की. सेक्स जरूरी है और इससे जुड़े अंग जो आपको उत्तेजित करते हैं उसके बारे में जानना भी जरूरी है. आज हम 5 ऐसे ही अज्ञात तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में जानकर आपको हैरानी होने वाली है'

महिलाओं में 3 से अधिक यौन अंग होते हैं ! महिला के बाहरी यौन अंग को लेबिया मेजोरा कहा जाता है. यह योनि के खुलने के आसपास वाली त्वचा होती है, जो 2 फोल्ड्स में मौजूद होती है. भीतरी यौन अंग को लेबिया माइनोरा कहा जाता है, जो लेबिया मेजोरा के नीचे स्थित होते हैं. आंतरिक महिला यौन अंग में अंडाशय (Ovaries), फैलोपियन ट्यूब, गर्भाशय (Uterus), गर्भाशय ग्रीवा (Cervix) और योनि (Vagina) हैं. महिला सेक्स सिर्फ प्रजनन (Reproductive) अंग नहीं हैं, वे महिलाओं में यौन उत्तेजना का भी काम करते हैं.

विभिन्न चरणों में समझे फीमेल ऑर्गेज्म जिस तरह से एक महिला को ऑर्गेज्म प्राप्त होता है वह पुरुषों की तुलना में अलग होता है. पहले एक उत्तेजना चरण होता है जो शारीरिक प्रतिक्रियाओं से प्रेरित होता है. दूसरा जब क्लाइटोरिस प्रतिक्रिया देना शुरू कर देता है. क्लाइटोरिस को "फीमेल पेनिस" भी कहते हैं, जो महिलाओं के शरीर का सबसे ज्यादा उत्तेजित करने वाला अंग माना गया है. तीसरा चरण ऑर्गेज्म से ठीक पहले होता है जहां हृदय गति सबसे अधिक होती है. अंतिम चरण रिलीज या संभोग का चरण है.

क्लाइटोरिस सबसे अधिक उत्तेजित करने वाला अंग

क्लाइटोरिस सबसे अधिक उत्तेजित करने वाला अंग इसलिए कहलाता है क्योंकि इसमें 8,000 से अधिक तंत्रिका हैं. इस प्रकार से यह सबसे अधिक उत्तेजना उत्प्रेरण अंगों में से एक है. ऐसा कहा जाता है कि 75 प्रतिशत से अधिक महिलाओं में क्लाइटोरिस को छूने पर ही ऑर्गेज्म चरमोत्कर्ष पर पहुंचता है. तीन-चौथाई क्लाइटोरिस छिपे हुए होते हैं शायद इसीलिए इसे कामोत्तेजना वाले अंग के रूप में नहीं देखा जा सकता है. क्लाइटोरिस का एकमात्र उद्देश्य महिलाओं को आनंद देना होता है.

फीमेल ऑर्गेज्म में स्तन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

महिलाओं में स्तन और निप्पल की उत्तेजना के कारण भी ऑर्गेज्म प्राप्त किया जा सकता है. अध्ययनों से पता चला है कि निप्पल को उत्तेजित करने से भी जेनाइटल्स यानी जननांगों को सक्रिय किया जा सकता है.

महिला को आनंद देने वाले अंग एक दूसरे से जुड़े हुए हैं

महिलाओं को सुख देने वाले अंग एक दूसरे से जुड़े हुए हैं. एक अंग से प्रत्येक अंग उत्तेजित होता है. जिस वजह से महिलाओं को अधिक आनंद की प्राप्ति होती है. पार्टनर की प्राथमिकता, पसंद और सेक्सुअल एनाटॉमी को ध्यान में रखें. इंटरकोर्स यानी संभोग के दौरान यह महत्वपूर्ण होता है.

महिलाओं में होने वाली हेल्थ से जुड़ी परेशानियां, जिनके बारे में जानना है बेहद जरूरी

पुरुषों की तुलना में महिलाओं को कुछ अलग हेल्थ प्रॉब्लम्स होने की संभावना अधिक रहती है लेकिन समय पर इलाज होने पर उपचार संभव है. जानिए महिलाओं में होने वाली कुछ सामान्य हेल्थ से जुड़ी परेशानियों के बारे में. क्या आप जानते हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हार्ट अटैक डेथ्स की संभावना अधिक होती हैं. यही नहीं, डिप्रेशन और एंग्जायटी की समस्या भी महिलाओं में अधिक देखी जाती है. महिलाओं और पुरुषों दोनों कई हेल्थ कंडिशंस से गुजरते हैं लेकिन कुछ हेल्थ से जुड़ी समस्याएं हैं, जो महिलाओं में ज्यादा देखी जाती हैं. वहीं जानकारी की कमी या लापरवाही के कारण कई महिलाओं की हेल्थ कंडिशंस का समय पर निदान नहीं हो पाता.

बेटी हो गई है टीनएजर

जरूर समझाएं उसे 5 बातें

बेहतर भविष्य के साथ आसान हो जाएगी लाइफ

किशोरावस्था में अक्सर बच्चों को पैसे वेस्ट करने की आदत लग जाती है. आप चाहें तो टीनएजर गर्ल्स को सेविंग करने से लेकर बजट बनाने और बैंकिंग के कुछ बेसिक टिप्स देकर ना सिर्फ मनी मैनेजमेंट सिखा सकते हैं, बल्कि बेटी का फ्यूचर भी सिक्योर कर सकते हैं.

किशोरावस्था आमतौर पर काफी सेंसटिव एज होती है. टीनएज में जाते ही ना सिर्फ बच्चों का बचपन खत्म होने लगता है, बल्कि उनकी लाइफ में कई बदलाव भी देखने को मिलते हैं. खासकर लड़कियों को टीनएज (Teenage girls) में कई चैलेंजेस का सामना करना पड़ता है. ऐसे में अगर आपकी बेटी भी टीनएज में है तो कुछ बातें समझाकर आप उसकी लाइफ को आसान बना सकते हैं.

टीनएज में प्रवेश करने के बाद बच्चों के लिए कई चीजें नई होती हैं. ऐसे में कॉलेज गोइंग गर्ल्स को मनी मैनेजमेंट के टिप्स देना बेहद जरूरी होता है. आइए हम आपको बताते हैं टीनएज गर्ल्स को सेविंग के तरीके सिखाने के टिप्स, जिसकी मदद से आप बेटी को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट भी बना सकते हैं.

बैंकिंग की जानकारी दें
स्कूल के बाद कॉलेज ज्वॉइन करते समय ज्यादातर लड़कियों को बैंकिंग के बारे में अधिक जानकारी नहीं होती है. ऐसे में आप बेटी को बैंक में अकाउंट खोलने से लेकर क्रेडिट और डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करने के साथ-साथ ऑनलाइन बैंकिंग जैसी बेसिक चीजों के बारे में जानकारी दे सकते हैं.

बजट बनाना सिखाएं
कई बार बच्चे पॉकेट मनी को कुछ दिनों में ही खर्च कर देते हैं. जिससे बच्चे बजट मैनेजमेंट नहीं कर पाते हैं. ऐसे में बेटी को महीने भर के खर्चों का बजट बनाने की सलाह दें और उसे बजट के अनुसार ही पैसे दें. जिससे आपकी बेटी पैसे वेस्ट नहीं करेगी.

सेविंग करना सिखाएं
टीनएज गर्ल्स को सेविंग सिखाना भी बेहद जरूरी होता है. ऐसे में बेटी को हर रोज थोड़ा पैसा बचाने की सलाह दें. साथ ही इस पैसे को किसी अच्छी जगह पर इंवेस्ट करें. जिससे आप बच्ची को सेंविग टिप्स देने के साथ-साथ उसका भविष्य भी सिक्योर कर पाएंगे.

क्रेडिट रेटिंग के बारे में बताएं
टीनएज के बाद बच्चों को बैंक से लोन लेने की जरूरत भी पड़ सकती है. ऐसे में आप बेटी को पहले से क्रेडिट रेटिंग की जानकारी दे सकते हैं. बेटी को बताएं कि क्रिडिट रेटिंग अच्छी रखने से लोगों को लोन और क्रेडिट कार्ड आसानी से मिल जाता है.

रिजर्व फंड रखें
बेटी को इंमरजेंसी सिचुएश्न के लिए भी सेविंग करने की सलाह दें. ऐसे में लड़कियों को रिजर्व फंड और पढ़ाई के लिए अलग से फंड बनाने को कहें. जो कि भविष्य में बेटी के बेहद काम आ सकता है.

मां बनने के बाद छोटी-छोटी बातें भूलने लगी हैं, तो 'मॉमी ब्रेन' प्रॉब्लम से ऐसे करें बचाव

क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ है कि आप मां बनने के बाद छोटी छोटी बातें भूलने लगीं हैं? कभी ऐसा हुआ हो कि आप कमरे में तेजी से गईं और वहां जाकर भूल गईं कि आप क्यों कमरे में आईं या गाड़ी की चाबी हाथ में हैं और आप पूरे फ्लैट में चाबी ढूंढती रहीं? अगर आप ऐसी समस्याओं से परेशान हो गई हैं तो यह अकेले आपकी ऐसी समस्या नहीं है. दरअसल इस समस्या को मॉमी ब्रेन के नाम से जाना जाता है. वेरीवेलफैमिली के मुताबिक एक स्टडी में पाया गया है कि बच्चे को जन्म देने से मां का मस्तिष्क भी काफी प्रभावित होता है और कभी-कभी लंबे समय तक इसका असर कायम रहता है. ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक अध्ययन ने भी ये पाया गया है कि मां बनने से महिला के याददाश्त क्षमता पर स्थाई असर पड़ता है.

क्या है इस परेशानी की वजह?

कई शोधकर्ताओं ने माना कि ये परिवर्तन एक नई मां को अपने बच्चे की देखभाल करने की क्षमता को बढ़ाने का एक नेचुरल तरीका होता है. यह भी कहा जा सकता है कि मस्तिष्क में ये परिवर्तन दरअसल नई माताओं को बच्चे की ज़रूरतों को अपनाने और उन्हें पूरा करने के लिए अहम होता है.

मॉमी ब्रेन से उबरने के उपाय

धैर्य रखें- शरीर में हुए इस बायोलॉजिकल बदलाव की वजह से आप खुद से परेशान हैं और इरिटेट हो जाती हैं आपको बता दें कि अगर आप थोड़ा धैर्य रखें और किसी भी काम को पूरा करने के लिए थोड़ा एक्स्ट्रा प्लान बनाएं तो मॉमी ब्रेन की समस्या से उबर सकती हैं.

लिस्ट बनाएं- इस समस्या से बचने के लिए बेहतर होगा कि आप अपने हर काम की लिस्ट बनाएं. इसके लिए आप एक नोटबुक कैरी करें और जब भी कुछ याद आए तो उसे लिख लें. ऐसा करने से आप जरूरी चीजों को भूलेंगी नहीं.

प्लान बनाएं- आप पहले से चीजों के लिए प्लान बनाएं और अपनी हर चीज को सही जगह पर रखने की आदत डाल लें. इससे आपका काम काफी आसान बन जाएगा. मसलन, आप अगर सुबह डॉक्टर के पास जाने वाली हैं तो रात में ही सारा सामान तैयार रखें. आप चाभी, वॉलेट आदि हमेशा एक ही जगह पर रखें आदि.

पर्याप्त नींद जरूरी- नई मांओं की व्यस्तता 24 घंटे की होती है. लेकिन आपको कुछ इस तरह अपने रुटीन को फॉलो करना है कि आपकी नींद पूरी हो सके. इसके लिए आप परिवार के लोगों की मदद ले सकती हैं और बच्चे के साथ ही सोने और जागने की रुटीन को फॉलो कर सकती हैं. भरपूर नींद आपके ब्रेन को रिलैक्स करेगा और ये बेहतर तरीके से काम कर पाएगा.

ब्रेन को दें एक्स्ट्रा केयर- ब्रेन के लिए आप अपने खानपान पर ध्यान दें और ब्रेन गेम खेलें. ब्रेन गेम आपके दिमाग को एक्टिव रखने का काम करेगा और ये बेहतर तरीके से काम कर सकेंगे. इसके अलावा, आप उन चीजों को डाइट में शामिल करें जिसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड हो और भरपूर प्रोटीन हो.

ज्यादा वजन भी बन सकता है हाई रिस्क प्रेगनेंसी की वजह, इन तरीकों से करें बचाव

हाई रिस्क प्रेगनेंसी के खतरे से खुद को बचाना है तो समय-समय पर अपनी जांच जरूर कराती रहें. इसके अलावा, जहां तक हो सके प्रेगनेंसी में तनाव से दूर रहें, भरपूर आराम करें और रोजाना योग जरूर करें. इन बातों का ध्यान रखकर आप इस खतरे से बच सकती हैं.

मां बनने का सपना हर महिला देखती है. लेकिन कई महिलाओं में सेहत से जुड़ी समस्याओं की वजह से उनकी प्रेगनेंसी कठिनायों से भरी होती है. कई बार तो उनके लिए प्रेगनेंसी जोखिम भरा हो जाता है और इससे मां और पेट में पल रहे बच्चे की जान तक जा सकती है. इसी जोखिम को 'हाई रिस्क प्रेगनेंसी' कहा जाता है. एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में तकरीबन 5,29,000 महिलाओं की मौत गर्भावस्था के दौरान इन खतरों की वजह से हो जाती है. इसकी वजह खराब सेहत, बदलती लाइफस्टाइल, खान पान में लापरवाही को माना जाता है. यही नहीं, कई बार ऐसी समस्याएं किसी बीमारी या जेनेटिक डिजीज की वजह से भी हो सकती है.

हाई रिस्क प्रेगनेंसी की ये हैं बड़ी वजह

एनआईएच के मुताबिक अगर महिला को हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज है या वो एचआईवी पॉजिटिव है तो उसे प्रेगनेंसी में रिस्क की समस्या हो सकती है. अगर महिला का वजन ज्यादा है तो इससे हाई ब्लड प्रेशर, प्रीक्लेम्पसिया, गर्भकालीन मधुमेह, स्टिलबर्थ, न्यूरल ट्यूब दोष और सिजेरियन डिलीवरी की समस्या हो सकती है. इसकी वजह से जन्म के समय नवजात में हृदय रोग का खतरा 15% तक बढ़ सकता है.

किशोरावस्था और 35 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं में गर्भावस्था की वजह से प्रीक्लेम्पसिया और गर्भकालीन उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ जाता है जो हाई रिस्क प्रेगनेंसी की वजह बन सकता है. गर्भाशय में हुई कोई पुरानी सर्जरी की वजह से भी हाई रिस्क प्रेगनेंसी का खतरा हो सकता है. इसके अलावा, जुड़वा बच्चों और आईवीएफ द्वारा गर्भ धारण की प्रक्रिया भी महिलाओं में रिस्की प्रेगनेंसी की वजह हो सकता है.

हाई रिस्क प्रेगनेंसी से बचाव का तरीका

अगर आप हाई रिस्क प्रेगनेंसी से बचना चाहती हैं तो समय-समय पर अपनी जांच कराती रहें. इसके अलावा, प्रेगनेंसी में तनाव से बचें, भरपूर आराम करें, रोजाना योग ध्यान करें, फ्रेश हवा में वॉक पर जाएं, हेल्दी खान पान करें और डॉक्टर की संपर्क में रहें.

इनसाइड

1140 करोड़ के ओयो के आयकर पर रोक लगाने के मामले में HC का आदेश, कहा- CIT करे व्यक्तिगत सुनवाई

1140 करोड़ रुपये के आयकर की मांग पर रोक लगाने के ओयो के मामले में दिल्ली HC ने आयकर आयुक्त से कहा कि वह ओयो का पक्ष सुनें। ओयो ने कुल आयकर मांग की वसूली पर रोक लगाने से इन्कार करने के आयकर विभाग के आदेश को चुनौती दी है।

नई दिल्ली। 1,140 करोड़ रुपये के आयकर की मांग पर रोक लगाने के ओयो के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने आयकर आयुक्त (सीआइटी) से कहा कि वह ओयो का पक्ष सुनें। ओयो ने कुल आयकर मांग की वसूली पर रोक लगाने से इन्कार करने के आयकर विभाग के आदेश को चुनौती दी है।

जानें अदालत ने क्या कहा?

अदालत ने कहा कि आवदेन का सीआइटी से जल्द निपटान करें और यह समयसीमा चार सप्ताह से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह भी कहा कि यदि सीआइटी द्वारा पारित आदेश याचिकाकर्ता के हितों के प्रतिकूल होगा तो यह आदेश याचिकाकर्ता द्वारा प्राप्त करने से दो सप्ताह की अवधि के लिए प्रभावी नहीं होगा। याचिकाकर्ता कंपनी ने विभाग से कहा था कि आयकर अधिनियम- 1961 की धारा 220(6) के तहत 1140 करोड़ रुपये के पूरे बकाया मांग पर ओयो को निर्धारिती न माने जब तक की आयकर आयुक्त (अपील) का फैसला नहीं हो जाता।

तेज हवा-बूंदाबांदी से मौसम हुआ सुहावना

नई दिल्ली। फरवरी में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के बाद मार्च के पहले दिन ही तेज हवा और बूंदाबांदी से मौसम ने करवट ले ली। इसके कारण दिल्ली-एनसीआर में दोपहर तक मौसम सुहावना बना रहा। दोपहर बाद तेज धूप निकली। बुधवार को तापमान सामान्य से छह डिग्री दर्ज की गई। दिल्ली-एनसीआर में मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक कुछ इलाकों में सुबह के समय बूंदाबांदी हुई, साथ ही तेज हवा चलती रही। ऐसे में अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को अधिकतम तापमान 31.2 और न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 17.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले मंगलवार को अधिकतम तापमान 32.1 व न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बृहस्पतिवार को पालम में 0.2, जाफरपुर में 0.5, व नोएडा में 1.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि लोदी रोड, रिज व आयानगर के इलाकों में केवल बूंदाबांदी हुई। दरअसल मौसम विभाग ने 28 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की भविष्यवाणी की थी। इसके असर से मैदानी इलाकों में हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान था। अब लगातार तापमान में बढ़ोतरी होगी। इस दौरान तापमान 32 डिग्री के आसपास बना रहेगा। दिल्ली एनसीआर के कुछ इलाके ऐसे रहे जहां सुबह का न्यूनतम तापमान भी काफी अधिक रहा। पीतमपुरा में 19.2, फरीदाबाद में 19.8, आयानगर व पालम में न्यूनतम तापमान 17.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

LG ने नहीं मंजूर किया सिसोदिया-सत्येंद्र जैन का इस्तीफा
हटाए गए विभागों की इन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी

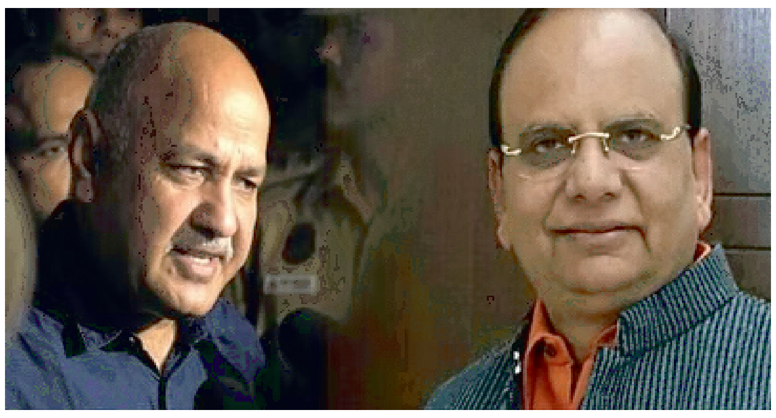

मंगलवार को मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन का इस्तीफा मुख्यमंत्री केजरीवाल ने उपराज्यपाल को भेजा था, जिस पर बुधवार शाम को यह फैसला आया है।

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मनीष सिसोदिया का इस्तीफा अस्वीकार कर दिया है। उनके कारण सत्येंद्र जैन का इस्तीफा भी स्वीकृत नहीं हो सका है। उपराज्यपाल ने इस्तीफों को अस्वीकार करने के साथ ही दोनों से विभागों की जिम्मेदारी ले ली है। उपराज्यपाल के दफ्तर से इस्तीफा अस्वीकार करने की वजहें भी बताई गई हैं।

उपराज्यपाल के दफ्तर से जो वजहें बताई गईं हैं उनमें सिसोदिया के इस्तीफे पर तारीख न लिखा होना कहा जा रहा है। बताया गया कि मनीष सिसोदिया का इस्तीफा बिना डेट का है और सत्येंद्र जैन का 27 फरवरी को लिखा गया है। दोनों ही इस्तीफे एलजी को 28 फरवरी को भेजे गए।

कहा जा रहा है कि सिसोदिया ने ये इस्तीफा जेल से तो टाइप नहीं किया होगा। तो क्या उन्होंने यह सीबीआई की पूछताछ पर जाने से पहले ही लिख दिया था। क्या जैन का प्लेन और हस्तलिखित इस्तीफा उसके बाद लिया गया है? अगर सिसोदिया ने पहले ही इस्तीफा दे दिया था और जैन ने 27 को दिया तो इस्तीफे की घोषणा इतनी देर से क्यों हुई?

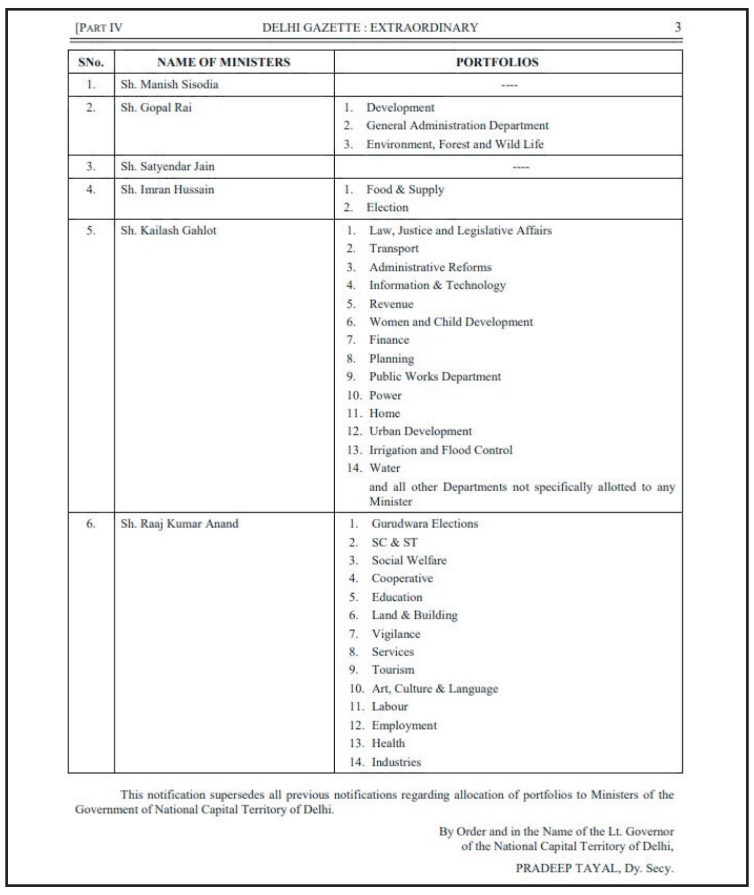

[PART IV DELHI GAZETTE : EXTRAORDINARY 3

SNo.	NAME OF MINISTERS	PORTFOLIOS
1.	Sh. Manish Sisodia	----
2.	Sh. Gopal Rai	1. Development 2. General Administration Department 3. Environment, Forest and Wild Life
3.	Sh. Satyendar Jain	----
4.	Sh. Imran Hussain	1. Food & Supply 2. Election
5.	Sh. Kailash Gahlot	1. Law, Justice and Legislative Affairs 2. Transport 3. Administrative Reforms 4. Information & Technology 5. Revenue 6. Women and Child Development 7. Finance 8. Planning 9. Public Works Department 10. Power 11. Home 12. Urban Development 13. Irrigation and Flood Control 14. Water and all other Departments not specifically allotted to any Minister
6.	Sh. Raaj Kumar Anand	1. Gurudwara Elections 2. SC & ST 3. Social Welfare 4. Cooperative 5. Education 6. Land & Building 7. Vigilance 8. Services 9. Tourism 10. Art, Culture & Language 11. Labour 12. Employment 13. Health 14. Industries

This notification supersedes all previous notifications regarding allocation of portfolios to Ministers of the Government of National Capital Territory of Delhi.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi,

PRADEEP TAYAL, Dy. Secy.

सीएम केजरीवाल ने कैबिनेट में मंत्री बनने के लिए सौरभ भारद्वाज और आतिशी के नाम एलजी को भेजे

मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे बाद आप विधायक सौरभ भारद्वाज केजरीवाल सरकार में मंत्री बनेंगे। आतिशी को भी कैबिनेट में जगह मिलेगी। अरविंद केजरीवाल ने दोनों को मंत्री नियुक्त करने की फाइल एलजी को भेजी है।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कैबिनेट में मंत्री बनने के लिए आप विधायक सौरभ भारद्वाज और आतिशी के नाम उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को भेजा है।

आप सरकार के सूत्रों ने ये बात कही है कि, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे बाद आप विधायक सौरभ भारद्वाज केजरीवाल सरकार में मंत्री बनेंगे। आतिशी को भी कैबिनेट में जगह मिलेगी। अरविंद केजरीवाल ने दोनों को मंत्री नियुक्त करने की फाइल एलजी को भेजी है।

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट से झटका मिलने के बाद सीबीआई की गिरफ्त में आए मनीष सिसोदिया ने अपने पद से मंगलवार दोपहर बाद इस्तीफा दे दिया है। वहीं, जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपना इस्तीफा भेज दिया। मुख्यमंत्री ने अपने दोनों वरिष्ठ मंत्रियों को इस्तीफा मंजूर भी कर लिया।

मनीष सिसोदिया के सभी 18 विभाग दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत व राजकुमार आनंद के बीच बांट दिए जाएंगे। उधर, आप नेता सौरभ भारद्वाज ने बताया कि बेशक दोनों मंत्रियों ने इस्तीफा दिया है, लेकिन दिल्ली सरकार व आप उनके साथ खड़ी है। साथ ही सौरभ ने जानकारी दी कि आने वाले समय में दिल्ली कैबिनेट में दो नए मंत्री शामिल होंगे।

मनीष सिसोदिया के पास थे 18 विभाग

इनमें शिक्षा, वित्त, योजना, भूमि और भवन, सेवाएं, पर्यटन, कला-संस्कृति और भाषा, जागरूकता, श्रम और रोजगार, लोक निर्माण विभाग के अलावा स्वास्थ्य, उद्योग, बिजली, गृह, शहरी विकास, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण व जल विभाग शामिल हैं। सिसोदिया दिल्ली सरकार में सबसे प्रभावशाली मंत्री थे। राज्य सरकार के सभी बड़े मंत्रालय उन्हीं के पास थे। सिसोदिया सीएम केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद नेता हैं।

सत्येंद्र जैन के छह विभाग भी सिसोदिया के पास थे

सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के बाद उनके छह विभाग भी सिसोदिया ही संभाल रहे थे। सत्येंद्र जैन दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे। गिरफ्तारी के करीब नौ महीने बाद जैन ने अपने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है।

केजरीवाल बोले- सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर दुनिया को गर्व, नहीं हुआ शराब घोटाला; पीएम मोदी को भी घेरा

एनटीवी संवाददाता

अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार अच्छे काम करने से रोक रही है। सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर दुनिया को गर्व है। शराब घोटाला नहीं हुआ है।

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार अच्छे काम करने से रोक रही है। हमारे मंत्रियों को झूठे केस में गिरफ्तार करके ये दिल्ली के काम रोकना चाहते हैं। ये इत्तेफाक नहीं कि हमारे हैल्थ और शिक्षा मंत्री दोनों को गिरफ्तार कर लिया। हम काम रुकने नहीं देंगे। हमारे पास टैलेंट की कमी नहीं। आप गिरफ्तार करोगे, हम उनकी जगह और अच्छे मंत्री बना देंगे। एक जमाने में इंदिरा गांधी ने अति कर दी थी, वैसे ही पीएम मोदी ने अति कर दी है। जब अति होती है तो ऊपरवाला झाड़ू चलाता है। जनता में भारी रोष है, अब जनता जवाब देगी। मैं दिल्ली वालों को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली के काम बिल्कुल नहीं रुकेंगे। मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर दुनिया को गर्व है।

दिल्ली सीएम ने कहा कि शराब घोटाला नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि अब आतिशी और सौरभ भारद्वाज काम संभालेंगे। जिसके बाद दोगुनी रफ्तार से काम होगा। विभागों का बटवारा अभी अस्थायी है। अगर मनीष सिसोदिया अच्या काम नहीं करती तो आज उनकी गिरफ्तारी नहीं होती।

केजरीवाल ने आगे कहा कि सिसोदिया अगर भाजपा में शामिल हो जाए तो रिहा हो जाएंगे। आम आदमी पार्टी आंधी है और आंधी को कोई नहीं रोक सकता है। ये समय आम आदमी पार्टी का है। इंदिरा गांधी की तरह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अति कर रहे हैं। पीएम को घमंड हो गया है, ठीक ऐसा ही घमंड इंदिरा गांधी को हुआ था। केजरीवाल ने बताया कि अब हमारे कार्यकर्ता-नेता घर-घर जाकर लोगों को समझाने का काम करेंगे। सभी विधायकों और पार्षदों के साथ तय हुआ है कि आम आदमी पार्टी एक-एक घर जाकर एक-एक व्यक्ति से बात करेगी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और मंत्री सत्येंद्र जैन के इस्तीफे के बाद पहली बार मीडिया से मुखातिब हुए। सीएम केजरीवाल ने कहा कि भारत का नाम रोशन करने वाले दो लोगों को पीएम ने जेल भेजा है। एक्साइज पॉलिसी तो बहाना है, कोई घोटाला नहीं हुआ। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली में प्रधानमंत्री अच्छा काम रोकना चाहते थे। शिक्षा में अच्छा काम करने पर मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं स्वास्थ्य में अच्छा काम करने पर सत्येंद्र जैन गिरफ्तार हो गए। केजरीवाल ने आगे सवाल किया कि अगर मनीष सिसोदिया आज बीजेपी में शामिल हो जाते हैं, तो क्या उन्हें कल रिहा नहीं किया जाएगा? सारे केस वापस ले लिए जाएंगे। अगर सत्येंद्र जैन आज भाजपा में शामिल हो जाते हैं, तो सभी मुकदमे वापस ले लिए जाएंगे और उन्हें कल जेल से रिहा कर दिया जाएगा।

घर-घर जाकर PM के खिलाफ प्रचार करेगी AAP

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि मुद्दा भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि काम बंद करना और विरोध के बाद सीबीआई-ईडी भेजना है। उन्होंने कहा कि तय हुआ है कि AAP घर-घर जाकर प्रचार करेगी, घर-घर जाएगी, हर व्यक्ति से बात करेगी। हम उन्हें समझाएंगे कि कैसे पीएम चरम पर जा रहे हैं जैसे इंदिरा गांधी ने एक बार किया था। लोग जवाब देंगे, वे सब कुछ देख रहे हैं और नाराज हैं।

सिसोदिया के विभाग गहलोत और आनंद में बंटे

बता दें कि दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को केजरीवाल कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। केजरीवाल कैबिनेट से मनीष सिसोदिया के इस्तीफे के बाद केजरीवाल ने कैलाश गहलोत और राजकुमार आनंद के बीच सिसोदिया के 18 विभागों को बांट दिए।

केजरीवाल कैबिनेट में शामिल होंगे सौरभ-आतिशी

खास बात है कि मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे के बाद केजरीवाल कैबिनेट में सौरभ भारद्वाज और आतिशी को शामिल किया जाएगा। इन दोनों को कैबिनेट में शामिल करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इन नाम उपराज्यपाल के पास भेजा है। मनीष सिसोदिया को दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले में सीबीआई ने २६ फरवरी को 8 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। सिसोदिया कथित आबकारी नीति के घोटाले में मुख्य आरोपी हैं।

एलजी ने सिसोदिया और जैन का

इस्तीफा अस्वीकार किया

उधर, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मनीष सिसोदिया का इस्तीफा अस्वीकार कर दिया। उनके कारण सत्येंद्र जैन का इस्तीफा भी स्वीकृत नहीं हो सका है। उपराज्यपाल ने इस्तीफों को अस्वीकार करने के साथ ही दोनों से विभागों की जिम्मेदारी ले ली है। उपराज्यपाल के दफ्तर से इस्तीफा अस्वीकार करने की वजहें भी बताई गई हैं। उपराज्यपाल के दफ्तर से जो वजहें बताई गईं हैं उनमें सिसोदिया के इस्तीफे पर तारीख न लिखा होना कहा जा रहा है। बताया गया कि मनीष सिसोदिया का इस्तीफा बिना डेट का है और

एम्स में रेजिडेंट डॉक्टरों ने रक्तदान शिविर लगाया

नई दिल्ली। एम्स दिल्ली में बुधवार को रेजिडेंट डॉक्टरों ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस दौरान 300 से अधिक डॉक्टरों, छात्रों, नर्स और अन्य कर्मचारियों ने रक्तदान किया। एम्स के निदेशक डॉक्टर एम श्रीनिवास ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह बेहद नेक काम है। इसके लिए वे डॉक्टरों को बधाई देते हैं। वहीं एम्स आरडीए के अध्यक्ष डॉक्टर जसवंत जांगड़ा ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को कई बार डोनर नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में रेजिडेंट डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मचारी समय-समय पर रक्तदान शिविर लगाते हैं। इससे अन्य लोगों को तो मदद मिलती ही है साथ ही रक्तदान करने से डॉक्टरों को भी खुशी मिलती है। यह उनकी सेहत के लिए भी बेहतर है।

डीयू में विदेशी छात्रों के लिए अगले सप्ताह से शुरू होगा दाखिला, सीयूईटी से नहीं, मेरिट से होंगे एडमिशन

डीयू अपने शैक्षणिक माहौल व कोर्सेज के लिए विदेशों में भी पहचाना जाता है इसलिए हर साल विदेशी छात्रों की संख्या में इजाफा हो रहा है। डीयू के विभिन्न कोर्सेज में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में करीब 550 से अधिक विदेशी छात्रों ने दाखिला लिया।

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के तहत विदेशी छात्रों के यूजी, पीजी, एमफिल, पीएचडी, सर्टिफिकेट, व सर्टिफिकेट डिप्लोमा में दाखिले के लिए दाखिला प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होगी। विदेशी छात्रों को ऑनलाइन ही आवेदन करना होगा। जल्द ही इन छात्रों के दाखिले के लिए दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए जाएंगे। जहां डीयू में भारतीय छात्रों के दाखिले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के स्कोर के आधार पर होंगे, वहीं विदेशी छात्रों को सीयूईटी नहीं देना है। इन छात्रों के दाखिले मेरिट के आधार पर ही होंगे। अलग-अलग कोर्सेज के मुताबिक अप्रैल-मई व जुलाई तक आवेदन लिए जाएंगे।

डीयू में संयुक्त डीन (विदेशी छात्र रजिस्ट्री) प्रो. अमरजीव लोचन ने बताया कि पांच या छः मार्च तक विदेशी छात्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। विदेशी छात्रों के लिए बीते सालों की तरह दाखिले मेरिट के आधार पर ही होंगे। जल्द ही दाखिला शेड्यूल व दिशा-निर्देश जारी कर दिए जाएंगे। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के छात्रों को दाखिले में प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के बाद भी विदेशी छात्रों का डीयू में पढ़ने का क्रेज कम नहीं हुआ। बीते तीन सालों में यहां दाखिला लेने वालों की संख्या बढ़ी है।

डीयू अपने शैक्षणिक माहौल व कोर्सेज के लिए विदेशों में भी पहचाना जाता है इसलिए हर साल विदेशी छात्रों की संख्या में इजाफा हो रहा है। डीयू के विभिन्न कोर्सेज में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में करीब 550 से अधिक विदेशी छात्रों ने दाखिला लिया। जबकि 2021-22 में करीब 615 व 2022-23 में 635 छात्रों ने दाखिला लिया था।

कोरोना महामारी के दौरान हमारे पड़ोसी देशों नेपाल व अफगानिस्तान से कम छात्रों ने यहां दाखिला लिया। अब हमारा फोकस अपने पड़ोसी देशों से आने वाले छात्रों की संख्या को बढ़ाने पर है। हम सभी देशों के छात्रों को डीयू की ओर खींचने के लिए भारत में मौजूद विभिन्न देशों के दूतावासों से भी संपर्क करेंगे। डीयू में विदेशी छात्रों के लिए विभागों व कॉलेजों में दाखिले के लिए पांच फीसदी व पीएचडी स्तर पर दस फीसदी कोटा होता है।

इन देशों से ज्यादा छात्र दाखिला लेते हैं

डीयू में वैसे तो हर देश के छात्र दाखिला लेते हैं लेकिन कुछ देशों से ज्यादा छात्र यहां पढ़ने आते हैं। इनमें नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान, कनाडा, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, तिब्बत, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, रशिया, कोरिया, नाइजीरिया, सूडान, ईराक, इथोपिया जैसे देश शामिल हैं। बीते कुछ सालों में मेक्सिको, नीदरलैंड, लाओस जैसे देशों के छात्र भी दाखिला ले रहे हैं।

बेटी ने शादी से किया इनकार तो पिता ने की तेजाब डालकर जान से मारने की कोशिश, ढाई लाख में किया था अधेड़ से रिश्ता

एनटीवी न्यूज

सौंदा गांव में शराबी पिता की शर्मनाक करतूत सामने आई है। यहां एक पिता ने अपनी नाबालिग बेटी का रिश्ता अधेड़ से तय कर दिया। शादी से एतराज जताने पर पिता ने बेटी के चेहरे पर तेजाब डालकर उसको जान से मारने की कोशिश की।

गाजियाबाद। सौंदा गांव में शराबी पिता की शर्मनाक करतूत सामने आई है। यहां एक पिता ने अपनी नाबालिग बेटी का रिश्ता अधेड़ से तय कर दिया। इस एवज में आरोपित ने अधेड़ से ढाई लाख रुपये ले लिए। शादी से एतराज जताने पर पिता ने बेटी के चेहरे पर तेजाब डालकर उसको जान से मारने की कोशिश की। किसी तरह अपनी जान बचाकर पड़ोसी की मदद से पीड़िता एसडीएम शुभांगी शुक्ला के पास पहुंची और आपबीती सुनाई। एसडीएम ने पीड़िता को कार्रवाई कराने का भरोसा दिया।

जानें पूरा मामला

सौंदा गांव निवासी किशोरी की उम्र करीब 17 साल है। पीड़िता के मुताबिक, उसका पिता शराब पीने का आदी है। पिता ने बेटी को पढाने के लिए स्कूल भी नहीं भेजा। हाल ही में उसका रिश्ता पिता ने हापुड़ के एक अधेड़ से तय कर दिया। बुधवार को शादी होनी निश्चित हुई थी। पीड़िता इस शादी से खुश नहीं थी। वह शुरूआत से ही इसके लिए मना करती आ रही है। मंगलवार रात को पीड़िता को जबरन मेहंदी लगाई जा रही थी। उसने मेहंदी लगवाने से इन्कार किया तो पिता ने उसके चेहरे पर तेजाब डालने की कोशिश की। आसपास की महिलाओं की मदद से किसी तरह आरोपित को काबू किया गया। आरोपित ने महिलाओं के जाने के बाद पीड़िता को रातभर एक कमर में बंद रखा। शादी नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी। बुधवार की सुबह जब इस बात का पता एक पड़ोसी को लगा तो उनकी मदद से पीड़िता घर से भागकर एसडीएम के कार्यालय पहुंची और आपबीती सुनाई। एसडीएम ने निवाड़ी थाना प्रभारी से बात कर पीड़िता की मदद कराने का भरोसा दिया। पीड़िता ने एसडीएम को बताया कि पिता ने दो साल पहले भी उसका सौदा साढे चार रुपये में पतला के व्यक्ति को कर दिया था। उस वक्त भी गांव के कुछ लोगों के दखल पर किसी तरह शादी को टाला गया। अब उसने गांव के एक बिचौलिये से मिलकर दोबारा शादी तय कर दी थी। पीड़िता ने कहा कि उसकी अधेड़ से शादी हुई तो वह जान दे देगी। इस बारे में एसडीएम शुभांगी शुक्ला का कहना है कि पीड़िता के मामले में आश्वयक कार्रवाई कराने के लिए पुलिस अधिकारियों से बात की गई है। पीड़िता की हर संभव मदद की जाएगी।

यमुना प्राधिकरण ने 10 साल बाद ग्रुप हाउसिंग के लिए खोले द्वार, 3 भूखंड की निकलेगी योजना ; लग चुकी मुहर

यमुना प्राधिकरण ने लंबे इंतजार के बाद ग्रुप हाउसिंग के लिए एक बार फिर अपने दरवाजे खोल दिए हैं। यमुना प्राधिकरण ने दस साल के लंबे इंतजार के बाद ग्रुप हाउसिंग के लिए एक बार फिर अपने दरवाजे खोल दिए हैं। 2013 के बाद प्राधिकरण ग्रुप हाउसिंग के लिए भूखंड योजना निकालने जा रहा है। यह योजना इसी सप्ताह आने की उम्मीद है।

नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने दस साल के लंबे इंतजार के बाद ग्रुप हाउसिंग के लिए एक बार फिर अपने दरवाजे खोल दिए हैं। 2013 के बाद प्राधिकरण ग्रुप हाउसिंग के लिए भूखंड योजना निकालने जा रहा है। यह योजना इसी सप्ताह आने की उम्मीद है। इसमें तीन भूखंड होंगे। इनके आवंटन से अधिक से अधिक रकम जुटाने के लिए बोली लगाई जाएगी। भूखंड के एक मुश्त भुगतान की शर्त होगी। यमुना प्राधिकरण औद्योगिक, आवासीय, संस्थागत, मिश्रित भू उपयोग, कामर्शियल आदि की योजना तो वर्षों से निकालता रहा है, लेकिन प्राधिकरण ने ग्रुप हाउसिंग से परहेज ही रखा। इसकी वजह ग्रुप हाउसिंग के नाम पर प्राधिकरणों में हुई लूट खसोट है। महज दस प्रतिशत राशि के आधार पर ग्रेटर नोएडा में बिल्डरों को बेशकीमती जमीन रेबड़ी की तरह बांट दी गई। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बिल्डरों ने एक के बाद एक प्रोजेक्ट लांच किए और करोड़ों रुपये के वारे न्यारे कर लिए। लेकिन प्राधिकरण का बकाया भुगतान नहीं किया। प्राधिकरण करोड़ों रुपये के कर्ज में फंस गया। यमुना प्राधिकरण ने इससे सबक लेते हुए ग्रुप हाउसिंग से परहेज किया, लेकिन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद यमुना प्राधिकरण में सभी तरह की संपत्ति की मांग तेजी से बढ़ी है। निवेशक जमीन की मुंह मांगी कीमत लगाने को तैयार हैं। इस अवसर को भुनाने के लिए प्राधिकरण ने दस साल बाद ग्रुप हाउसिंग की योजना निकालने का फैसला किया है।

गाजियाबाद में हर रोज मिल रहे हैं टीबी के 20 नए मरीज, स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई सैपलिंग

गाजियाबाद में टीबी के हर रोज नए 20 मामले सामने आ रहे हैं। वहीं टीबी के मामलों में तेजी से उछाल आने के बाद स्वास्थ विभाग ने सैपलिंग को बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि इस वक्त जिले में 17364 मरीजों का इलाज चल रहा है।

गाजियाबाद। बीते साल केंद्र सरकार देश से टीबी के खात्मे के लिए साल 2025 तक का लक्ष्य रखा है। इस योजना के तहत केंद्र और प्रदेश सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं, लेकिन यूपी के गाजियाबाद में रोज टीबी के 20 नए मरीज मिल रहे हैं।

इन इलाकों में है सबसे ज्यादा संक्रमण

रिपोर्ट के अनुसार, 22 फरवरी से शुरू हुए एसीएफ अभियान के तहत अब तक 180 टीबी के नए मरीज मिल चुके हैं। जिले में मिले टीबी के नए मरीजों की पुष्टि खुद सीएमओ डा.भवतोष शंखधर ने की है। सबसे अधिक टीबी का संक्रमण खोड़ा, लोनी, शहीदनगर, पसौंडा, भोजपुर, डासना, मुरादनगर, विजयनगर, संजयनगर और कैलाभट्टा में फैल रहा है।

जानकारी के मुताबिक, खोड़ा में अब तक पांच हजार लोगों की जांच के सापेक्ष टीबी के 100 नए मरीज मिल चुके हैं। 800 का पहले से इलाज चल रहा है। पीएचसी,सीएचसी प्रभारी के अलावा टीबी सुपरवाइजर घर-घर जाकर संदिग्ध एवं टीबी संक्रमित के संपर्कियों के सैंपल लेकर जांच को भेज रहे हैं। खास बात यह है कि टीबी रोगियों के खानपान के लिए मिलने वाली पांच सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण रूक गया है। बजट खत्म होने के साथ ही विभाग ने निक्षय पोषण योजना के लिए 2.21 करोड़ की धनराशि की मांग की है। पता चला है कि देहात क्षेत्रों में पिछले पांच महीनों से टीबी रोगियों को निक्षय प्रोत्साहन का वितरण नहीं हुआ है। गोद लेकर टीबी रोगियों को पुष्टाहार का वितरण जरूर आए दिन किया जा रहा है।

गलत पाई गई ग्राम विकास अधिकारी की नियुक्ति, बर्खास्त; 11 साल के वेतन की होगी वसूली

गाजियाबाद में एक ग्राम विकास अधिकारी अरविंद त्यागी को जिला विकास अधिकारी ने बर्खास्त कर दिया है। अरविंद त्यागी की नियुक्ति गलत पाई गई थी। बर्खास्तगी के बाद उनसे 11 साल के वेतन की भी वसूली की जाएगी।

गाजियाबाद। जिले की नंगला अक्खू, भनैड़ा कला और सुहाना ग्राम पंचायत में तैनातग्राम विकास अधिकारी अरविंद त्यागी को जिला विकास अधिकारी ने बर्खास्त कर दिया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। उनसे 11 साल के वेतन की वसूली भी की जाएगी। खास बात यह है कि बर्खास्त किए गए ग्राम विकास अधिकारी ने अपनी नौकरी लगभग पूरी कर ली थी, एक साल बाद ही उनको सेवानिवृत होना था।

1999 में हुई थी नियुक्ति

अरविंद त्यागी मूलरूप से मेरठ के सरधना का रहने वाला है। वर्ष 1999 में उसकी नियुक्ति कोर्ट के आदेश पर मेरठ के तत्कालीन जिला विकास अधिकारी द्वारा की गई थी, लेकिन अब तक उनको स्थायी नही किया गया था। हाल ही में शासन से जिला विकास अधिकारी को आदेश मिला कि जो ग्राम विकास अधिकारी स्थायी तौर पर नियुक्त नहीं हुए हैं, उनको स्थायी तौर पर नियुक्त कर दिया जाए।

इसलिए किया गया बर्खास्त

इसी क्रम में जब जिले में कार्यरत सभी ग्राम विकास अधिकारी की जानकारी एकत्र की गई तो जिला विकास अधिकारी को अरविंद त्यागी के बारे में पता चला। गहनता से जांच करने पर पता चला कि अरविंद त्यागी का चयन वर्ष 1995 में जिला स्तरीय समिति ने किया था, लेकिन प्रदेश स्तरीय समिति ने उनका चयन नहीं किया था, जिसके बाद वह कोर्ट चले गए थे।

कोर्ट ने सन 1999 में वाद का निस्तारण न होने तक उनकी नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए थे। इस मामले में वर्ष 2012 में सुनवाई पूरी हुई और उनकी नियुक्ति को गलत माना गया, उसी वक्त अरविंद त्यागी को बर्खास्त किया जाना था, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण वह अब तक पद पर काबिज रहे।

होगी वेतन की वसूली

जिला विकास अधिकारी राम उदरेज यादव ने बताया कि अरविंद त्यागी को तीन बार अपना पक्ष देने के लिए नोटिस जारी किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, जिसके बाद कोर्ट के आदेश के क्रम में उनको बर्खास्त कर दिया गया है। 2012 से अब तक जो वेतन उनको प्राप्त हुआ है, उसकी वसूली के लिए भी जल्द ही आदेश जारी किए जाएंगे।

केक खाने की थी इच्छा, अब खा रहे जेल की हवा; एलिवेटेड रोड पर जन्मदिन मनाने पहुंचे 6 युवक गिरफ्तार

एलिवेटेड रोड पर मंगलवार मध्य रात्रि करीब डेढ़ बजे दो बाइक से जन्मदिन पार्टी मनाने पहुंचे छह युवकों को इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने उनका शांति भंग में चालान किया और दोनों बाइक सीज कर दी।

गाजियाबाद। एलिवेटेड रोड पर मंगलवार मध्य रात्रि करीब डेढ़ बजे दो बाइक से जन्मदिन पार्टी मनाने पहुंचे छह युवकों को इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने उनका शांति भंग में चालान किया और दोनों बाइक सीज कर दी। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार रात में इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस एलिवेटेड रोड पर गश्त कर रही थी। रात करीब डेढ़ बजे कनावनी पुलिया के पास बाइक सवार छह युवक रोड पर खड़े दिखे। पुलिस टीम उनके पास पहुंची तो पता चला कि पांचों युवक जन्मदिन पार्टी मनाने आए हैं। बाइक पर केक रखकर केक काटने की तैयारी कर रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों की दोनों बाइक सीज कर दी। उनकी पहचान वैशाली सेक्टर-तीन के शेखर वर्मा, राजवीर चौधरी, अंकित कुमार, सन्नी अखोटिया व अभिषेक और वैशाली सेक्टर-पांच के टिंकू के रूप में हुई है। शेखर का जन्मदिन था।

नोएडा एयरपोर्ट ने यमुना प्राधिकरण को घाटे से उबारा, पिछली बार 170 करोड़ तो इस बार 404 करोड़ का हुआ लाभ

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने यमुना प्राधिकरण की किस्मत को चमका दिया है। प्राधिकरण का लाभांश भी उड़ान भर रहा है। प्राधिकरण ने वित्त वर्ष 2020-21 के सापेक्ष 2021-2022 में 237 प्रतिशत अधिक लाभ अर्जित किया है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद से प्राधिकरण क्षेत्र में निवेशकों का रुझान तेजी से बढ़ा है। प्राधिकरण की सभी श्रेणी की योजनाएं सफलता के रिकार्ड कायम कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष में ही प्राधिकरण की 440 आवासीय भूखंड के सापेक्ष एक लाख से अधिक आवेदन मिले थे। इसमें अधिकतर आवेदन भूखंड की कीमत का एक मुश्त भुगतान करने वालों के थे। मांग में इजाफा देखकर प्राधिकरण ने आवासीय को छोड़कर सभी श्रेणी में आवंटन के लिए नीलामी की व्यवस्था लागू कर दी है ताकि अधिक से अधिक राजस्व मिल सके। प्राधिकरण को इसका फायदा भी मिला है।

ऊंचे दाम में बोली लगाकर भी लोग प्राधिकरण क्षेत्र में भूखंड खरीदने को तैयार हैं। प्राधिकरण के पास योजनाओं में आवंटन के लिए जमीन नहीं बची है। इसलिए प्राधिकरण मास्टर प्लान 2041 को तेजी से धरातल पर उतारने के लिए तैयारी में जुटा है। बुलंदशहर के 55 गांवों के शामिल होने से प्राधिकरण की सफलता की संभावनाओं को और बढ़ा दिया है। लाजिस्टिक पार्क, वेयरहाउस आदि के लिए जहां प्राधिकरण फेज दो की ओर कदम बढ़ा रहा था, वहीं अब उसके पास फेज एक में ही काफी जमीन उपलब्ध हो गई है। इसलिए 55 गांवों के प्राधिकरण में अधिसूचित होते ही उसे मास्टर प्लान 2041 में बिना देरी के शामिल करने का फैसला कर लिया ताकि प्राधिकरण में शामिल होने से इस क्षेत्र में अवैध निर्माण, अतिक्रमण को पैर जमाने का मौका ही न मिले। प्राधिकरण सीईओ डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि पिछले चार साल से प्राधिकरण लगातार लाभ की स्थिति में है। 2020-21 में 170 करोड़ लाभ के सापेक्ष 2021-22 में 404 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ है। औद्योगिक, संस्थागत क्षेत्र में बढ़े निवेश से लाभ का आंकडा.तेजी से बढ़ रहा है।

मकान के बाहर लगी आईजीएल पाइप लाइन में आग, कई फीट ऊंची उठी लपटें

कविनगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम स्थित आरके पुरम में मंगलवार देर रात शैलेंद्र सिंह के मकान के बाहर से गुजर रही आईजीएल पाइप लाइन में लीकेज के कारण आग लग गई। इस मकान में श्री राम के परिवार के 10 से 15 लोग रह रहे थे।

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम स्थित आरके पुरम में मंगलवार देर रात शैलेंद्र सिंह के मकान के बाहर से गुजर रही आईजीएल पाइप लाइन में लीकेज के कारण आग लग गई। इस मकान में श्री राम के परिवार के 10 से 15 लोग रह रहे थे। आग की सूचना तत्काल पुलिस व दमकल सेवा को दी गई और पिछले रास्ते से परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम ने आग पर तुरंत ही काबू पा लिया।

भारतीय बाजार में Matter की धांसू इलेक्ट्रिक बाइक हुई लॉन्च, मिलेगी 150 किमी की रेंज

एक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के रूप में आती है और इसमें कई फीचर्स भी है। मैटर ऐरा मैन्युअल ट्रांसमिशन वाली भारत की पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है।वाहन निर्माता कंपनी ने इस बाइक को ऑटो एक्सपो 2023 में पेश किया था।

नई दिल्ली। गुजरात में स्थित ईवी स्टार्टअप कंपनी मैटर ने आखिरकार आज भारतीय बाजार में अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल Aera लॉन्च कर दी है। मैटर ऐरा इलेक्ट्रिक बाइक में चार ट्रिम्स ऑप्शन है- 4000, 5000, 5000+ और 6000+। Aera 5000 की कीमत 143,999 रुपये है, जबकि 5000+ की कीमत 153,999 रुपये है। 6000+ को छोड़कर सभी वेरिएंट की रेंज 125 किमी तक है।
कंपनी ने दावा किया है कि Aera 6000+ की राइडिंग रेंज 150 किमी तक है। शुरुआत में, मैटर ने 5000 और 5000+ ट्रिम्स लॉन्च किए हैं, जबकि दूसरे ट्रिम्स बाद में लॉन्च किए जाएंगे। आपको बता दें, मैटर ऐरा मैन्युअल ट्रांसमिशन वाली भारत की पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है।

Matter Aera

Matter Aera एक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के रूप में आती है, और इसमें कई फीचर्स भी है। इसके बारे में सबसे खास बात ये है कि यूएसपी यह है कि एरा भारत में पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है जो पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन द्वारा संचालित होने वाली मोटरसाइकिल है जो की मैन्युअल ट्रांसमिशन के साथ आती है।

ऑटो एक्सपो 2023

वाहन निर्माता कंपनी ने इस बाइक को ऑटो एक्सपो 2023 में पेश किया था। जहां उसने अपने आकर्षक डिजाइन और 4जी कनेक्टिविटी के साथ 7.0 इंच के पूर्ण-डिजिटल एलसीडी जैसी प्रीमियम सुविधाओं के साथ इसे खूब आर्किषत बनाया है। यह Android-आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम चलाता है। यह इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर राइडर को रिमोट लॉक/अनलॉक, जियो फेंसिंग, लाइव लोकेशन ट्रैकिंग, व्हीकल हेल्थ मॉनिटरिंग और डिटेल्ड राइड स्टैटिस्टिक्स जैसे फंक्शन्स को एक्सेस करने की सुविधा भी देता है। आपको बता दें ये बाइक एरा प्रॉक्सिमिटी-बेस्ड की-फोब और पैसिव की-लैस एंट्री सिस्टम के साथ आता है, जो राइडर को बाइक के पास जाकर ही लॉक या अनलॉक कर देता है।

फीचर्स

इसमें आपको लिक्विड-कूल्ड मोटर, मैनुअल गियरबॉक्स, लिक्विड-कूल्ड बैटरी पैक, तीन-पिन 5 एएमपी चार्जर, डबल क्रेडल चेसिस, और कनेक्टेड और इंटेलिजेंट टेक्नोलॉजी मिलती है। बाइक के लुक की बात करें तो इसे काफी शार्प और स्कल्प्टेड लुक मिलता है। इसमें इंटीग्रेटेड एलईडी डेटाइम रनिंग लाइट के साथ एलईडी हेडलैंप दिया गया है।
इसमें साइड काउल डिजाइन भी किया गया है। बाइक्स के इंजन गार्ड जैसा मोटर गार्ड, स्प्लिट सीट्स, LED टेललाइट, और पिलियन राइडर के लिए स्प्लिट ग्रैब रेल शामिल हैं। वहीं इसके दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक सिंगल-चैनल ABS के साथ बाइक की सेफ्टी को बढ़ाता है।

इनसाइड

कार में होने वाली ये सामान्य गलतियां देती है बीच रास्ते में धोखा... जानें कौन-कौन शामिल

कार में कई तरह की समस्या होती है जिसके कारण आपको बीच रास्ते में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर ब्रेक को दबाने से जोर से आवाज आती है तो इसका मतलब ये हुआ कि आपके ब्रेकिग सिस्टम में कोई समस्या है।

नई दिल्ली। अगर आप एक कार के मालिक हैं तो ये खबर आपके काम की है। जैसे -जैसे आपकी कार पुरानी होने लगती है तो वैसे -वैसे ही आपके कार में कई समस्या भी होने लगती है। जिसके कारण कार के मालिक को मैकेनिक के यहां चक्कर लगाना पड़ता है। आज हम आपको कार में होने वाली उन परेशानियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो काफी आम है पर आपके कार के लिए उनका ही ठीक होना जरूरी है।

हम सभी जानते हैं वाहन में इंजन कितनी अहम भूमिका निभाता है। जब भी आप सेल्फ मारते हैं तो उससे इंजन मिसफायर हो जाता है। इसके होने का कारण एक ये भी हो सकता है कि आपके वाहन के स्पार्क प्लग में कोई समस्या हो। ये उन समस्याओं में से एक है जो आपकी कार को चलने लायक नहीं बनाती है। जब भी आप अपनी कार को स्टार्ट करते हैं वो स्टार्ट नहीं होती है तो इसके पीछे बैटरी के खराब होने का लक्षण हो सकता है।

Tight Clutch Pedal

वाहन नें क्लच की एक अहम भूमिका होती है। आपको जब भी लगता है कि क्लच पेडल को पुश करने में दिक्कत हो रही है तो आपको उसी समय समझ जाना चाहिए कि क्लच में कोई दिक्कत है।

Squeaking Brakes

अगर ब्रेक को दबाने से जोर से आवाज आती है तो इसका मतलब ये हुआ कि आपके ब्रेकिग सिस्टम में कोई समस्या है। ब्रेक पैड या ब्रेक शूज घिस चुके हैं और उन्हें बदलने की जरूरत है।

Shrieking Sound From Engine

अगर आपने कार चालू की है और इंजन से आवाज आ रही है तो आपको समझ जाना चाहिए कि इंजन में कोई समस्या है। आपकी कार में बैटरी चार्जिंग, स्टीयरिंग कंट्रोल और क्लाइमेट कंट्रोल के कारण भी आवाज आ सकती है। इसे आप जल्द से जल्द मैकेनिक के पास जाकर बदलवा सकते हैं।

overheating engine

इंजन में ओवरहीटिंग एक आम और खतरनाक परेशानी बन चुकी है। कई बार इंजन समय से अधिक चलता है तो इसके कारण इंजन ओवरहीट होने लगता है। वाहन में खासतौर से इंजन का ख्याल रखना चाहिए, वरना बीच रास्ते में आपको कई परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

ग्राहकों को भा रही है Hyundai की गाड़ियां फरवरी की बिक्री में नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी

हुंडई मोटर एक के बाद एक अपने मॉडल्स को पेश कर रही है। अभी कुछ समय पहले ही वाहन निर्माता कंपनी ने भारत में अपनी Grand i10 Nios मॉडल को लॉन्च किया था। वहीं फरवरी में कंपनी को कुल नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

नई दिल्ली। Hyundai Motor India की फरवरी में थोक बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 57,851 यूनिट्स हो गई है। वहीं एक साल पहले वाहन निर्माता कंपनी ने इस कुल सेल 53,159 वाहनों की सेल की थी। बात पिछले महीने की करें तो कंपनी ने 47,001 यूनिट्स की घरेलू बाजार में थोक ब्रिकी की, जो फरवरी 2022 में 44,050 यूनिट्स की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि फरवरी, 2023 में उसने भारत से 10,850 वाहनों का निर्यात भी किया जो एक साल पहले के 9,109 वाहनों की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है।

Grand i10 Nios

हुंडई मोटर एक के बाद एक अपने मॉडल्स को पेश कर रही है। अभी कुछ समय पहले ही वाहन निर्माता कंपनी ने भारत में अपनी Grand i10 Nios मॉडल को लॉन्च किया था। अब कंपनी ने ग्लोबल लेवल पर 2023 हुंडई i10 को पेश किया है। 2023 Hyundai i10 मौजूदा मॉडल या भारत में बेचे जाने वाले मॉडल की तुलना में थोड़े अपडेट्स के साथ आई है। N-लाइन वर्जन में आई ये Hyundai कार N परफॉर्मेंस डिवीजन से प्रेरित डिजाइन है।

2023 Hyundai i10 का लुक

इस कार के लुक की बात करें तो कंपनी ने हुंडई i10 के ग्रिल पर हनीकॉम्ब के आकार के डीआरएल को रखा है। लाइटिंग के लिए इस कार में ट्वीक एलईडी लाइट भी मिलती है। जो सिग्नेचर फ्रंट रिफ्लेक्टर हेडलैंप और लाइट्स के लिए नए ग्राफिक्स के साथ आती है। इसके बम्पर पर एक नया पैटर्न दिया गया है और 15 इंच के अलॉय व्हील्स इसके लुक को और बढ़ा देते हैं। कार में खास डिजाइन के साथ 16 इंच के रिम्स भी हैं।

इंजन ऑप्शन

Hyundai i10 तीन इंजन ऑप्शन के साथ आती है। इसमें पहला ऑप्शन - 1.0-लीटर तीन-सिलेंडर एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन है, जबकि दूसरा विकल्प 1.2-लीटर चार-सिलेंडर इंजन है। इसका तीसरा विकल्प टर्बोचार्ज्ड 1.0 TGD-i इंजन है। 1.0-लीटर तीन-सिलेंडर एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन 66 hp की पावर के साथ आता है।

क्या है गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाला ADAS फीचर, क्या है इसका काम? भारत की सड़कों पर कितना सफल है ये सिस्टम

ADAS एक ऐसा फीचर है जो सेफ्टी के मामले में काफी दमदार है। एडीएएस या एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम एक ऐसा सिस्टम है जो कार को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाता है। आज हम आपको इसके बारे में पुरी जानकारी देने जा रहे हैं।

नई दिल्ली। भारत में ADAS फीचर से लैस कई गाड़ियां लॉन्च हुई है। आईसीई इंजन हो या फिर इलेक्ट्रिक व्हीकल, मैन्यूफैक्चरर्स सेफ्टी के लिहाज से ADAS फीचर देने लगे हैं। हालांकि भारत में एडवांस सेफ्टी फीचर्स से लैस अधिकतर गाड़ियों में लेवल 1 ADAS सिस्टम देखने को मिलता है। लेकिन इसको लेकर लोगों के मन में कई सवाल भी है। आज हम आपके लिए इन सब सवालों का जवाब लेकर आए हैं। चलिए जानते हैं, ये फीचर कैसे काम करता है और इसकी खासियत क्या है।

क्या होता है ADAS

ADAS या एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम एक ऐसा सिस्टम है, जो कार को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाता है। ये कार में सबसे महत्वपूर्ण फीचर में से एक है। ये फीचर कार के आस-पास का माहौल पता करके काम करता है। एडीएएस ड्राइवर को डिस्प्ले पर साउंड, वाइब्रेशन और सिग्नल के माध्यम से हिंट देकर दुर्घटना से बचने में मदद करता है।

ADAS के लेवल

आपको बता दें ADAS टेक्नॉलॉजी को पांच लेवल्स में बाटा गया है। चलिए आपको अब इसके प्रकार के बारे में बताते हैं।

Level 0 — no automation
इसमें किसी भी प्रकार का ADAS फीचर नहीं होता है और ड्राइविंग के सभी पहलुओं की जिम्मेदारी ड्राइवर की होती है।

Level 1 — driver assistance
इसके अंतर्गत कार में ड्राइवर के लिए लेन डिपार्चर वॉर्निंग और अडैप्टिव क्रूज़ कंट्रोल जैसे ADAS फीचर्स होते हैं। इसके बावजूद ड्राइविंग करते समय ड्राइवर को अधिक ध्यान रखना पड़ता है।

Partial Automation
इसमें दो या दो से अधिक स्टीयरिंग या एक्सीलरेशन जैसे ADAS फीचर्स होते हैं, जिसके कारण ड्राइवर को ड्राइव करने में अधिक मदद मिलती है। लेकिन कार को चलाते समय आपको अधिक सर्तक रहने की जरूरत होती है।

jagran
Conditional Automation
परिस्थिति के अनुसार ADAS फीचर काम करता है। आपको एक उदाहरण के तौर पर समझाएं तो ये सिस्टम स्टार्ट रहने पर ड्राइवर स्टीयरिंग व्हील से अपना हाथ भी हटा सकता है। लेकिन इसके बावजूद भी ड्राइवर को सावधान रहने की जरूरत है।

High Automation
इस लेवल पर आपकी कार खुद ही चलती है, लेकिन आपको कई विशेष मौके पर ही कार चलाते समय ध्यान देना होगा। तभी इसकी जरूरत होगी।

Full Automation
ADAS के पांचवें लेवल पर गाड़ी अधिकतर परिस्थिति में कार ड्राइवर के बिना खुद ही चलने में सक्षम होती है।

ADAS में कितने प्रकार के फीचर्स होते हैं ?
एड्वांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम में कई तरह के फ़ीचर्स आते हैं, जो मॉडल और सेफ्टी के स्तर पर अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन आपको सामान्य रूप में दिए जाने वाले ADAS फीचर के बारे में बताते हैं। ये फीचर्स कुछ इस प्रकार है।

Lane Departure Warning (LDW) लेन डिपार्चर वॉर्निंग- ये फीचर कार के लेन से हटने के समय ड्राइवर को अलर्ट करता है।

Blind Spot Monitoring (BSM) ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग यह फीचर दूसरी गाड़ियों को देखते हुए ड्राइवर को आगाह करता है, कि इस समय आप सही लेन में कार चला रहे हैं कि नहीं और लेन बदलना ठीक है कि नहीं।

Adaptive Cruise Control (ACC): अडैप्टिव क्रूज़ कंट्रोल- इस फीचर के मदद से आगे चल रही गाड़ी की स्पीड और दूरी के आधार पर आपके गाड़ी की स्पीड को कंट्रोल करता है।

Forward Collision Warning (FCW): फ़ॉरवर्ड कोलिज़न वॉर्निंग- ये फीचर काफी काम का है इस फीचर के कारण आगे चल रही गाड़ी से आपकी कार टकराती नहीं है। यह टक्कर से बचाता है। यह ड्राइवर को ब्रेक लगाने के लिए आगाह करता है।

Automatic Emergency Braking (AEB) ऑटोमेटिक इमरजेंसी ब्रेक, सेंसर की मदद से गाड़ी टकराने की स्थिति में यह फ़ीचर ऑटोमेटिक आपातकालीन ब्रेक लगाने में सक्षम होता है।

Traffic Sign Recognition ट्रैफिक साइन रिकग्निशन- ये फीचर आपको कैमरा से स्पीड लिमिट जैसे ट्रैफिक साइन को पहचान कर उसकी जानकारी देता है।

High Beam Assist: हाई बीम असिस्ट- हाईवे और रात के समय यह फीचर काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। कैमरा और सेंसर की मदद से कार आगे ज्यादा ट्रैफिक के चलते ऑटोमेटिक लो-बीम पर चली जाती है, जिससे कि ट्रैफिक को आसानी से देखा जा सकता है और फिर परिस्थिति के अनुसार कार दोबारा हाई बीम पर लौट आती है।

Rear Cross Traffic Alert: रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट- ये फीचर ड्राइवर को पार्किंग के समय काम आता है।सेंसर्स और कैमरा की मदद से कार के पीछे के बारे में संकेत देता है।

Driver Drowsiness Detection: ड्राइवर ड्राउज़ीनेस डिटेक्शन- कई बार चलाते समय हमें नींद आने लगती है, जिसके बाद ये फीचर काम में आता है। ये फीचर ड्राइवर को नींद आने पर चेतावनी देता है।

भारत में एडीएएस फीचर्स से लैस गाड़ियां

भारतीय बाजार में दिन पर दिन एक से बढ़कर एक गाड़ियां आ रही है। वहीं लोग भी अब सेफ्टी को लेकर अधिक सचेत हो गए हैं, कार लेने से पहले सेफ्टी में सेफ्टी पर अधिक ध्यान देते हैं। भारत में एडीएएस फीचर्स से लैस एमजी एस्टर, एमजी हेक्टर व हेक्टर प्लस, महिंद्रा XUV700, हुंडई ट्यूसॉन, टाटा हैरियर व सफ़ारी, टोयोटा इनोवा हायक्रॉस, होंडा सिटी ई: एचईवी और दूसरे प्रीमियम सेगमेंट की कारें सेफ्टी फीचर्स के साथ आती हैं।
भारत की सड़क पर कितना सफल ADAS फीचर अभी दूसरे देशों की तरह भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर इतना एडवांस नहीं है, लेकिन दिन पर दिन सरकार भी इसको लेकर काफी काम कर रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। भारत की आबादी काफी घनी है, यहां पर दो-पहिया, तीन-पहिया, बड़े वाहन दौड़ते नज़र आते हैं, जिससे की ट्रैफ़िक जैसी समस्या दिन पर दिन काफी तेजी से बढ़ रही है।
लेकिन इन सबके बावजूद एडास की मदद से आमने-सामने की टक्कर को रोका जा सकता है। आपातकालीन ब्रेक जैसे एडीएएस टेक्नोलॉजी की मदद से भारत में सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। इसके लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। वहीं भविष्य में इसे और भी मजबूत किया जाएगा। इसको देखते हुए भारत में आने वाले सालों में ये फीचर काफी महत्वपूर्ण साबित होगा।

डिजिटल शिक्षा की चुनौती

डा. वरिंदर भाटिया

उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल कक्षाओं के लिए उचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं

देश में अब डिजिटल शिक्षा का जमाना है। इसमें डिजिटल लाइब्रेरी कल्चर में बदलाव महत्वपूर्ण रोल निभा सकता है। खासतौर से छात्रों और उनकी डिजिटल शिक्षा पर फोकस करते हुए कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। इसी दिशा में नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी को प्रमुख माना जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2023 को इस संबंध में घोषणा की कि बच्चों और किशोरों के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी ताकि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, भाषाओं, शैलियों और स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा पुस्तकालय है जिसमें पुस्तकों का संग्रह डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में होता है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं कंप्यूटर के माध्यम से इसका उपयोग किया जा सकता है। डिजिटल लाइब्रेरी को ऑनलाइन लाइब्रेरी, इंटरनेट लाइब्रेरी, डिजिटल रिपॉजिटरी या डिजिटल संग्रह के रूप में भी जाना जाता है। यह डिजिटल वस्तुओं का एक ऑनलाइन डेटाबेस है जिसमें टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो, वीडियो, डिजिटल दस्तावेज के रूप में पुस्तकें शामिल हो सकती हैं। इस प्रकार की लाइब्रेरी को इंटरनेट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। प्रमुख अंतर यह है कि डिजिटल पुस्तकालय में संसाधन केवल मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध होते हैं। नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में डिजिटल वस्तुओं का भंडार होगा, जैसे किताबें, लेख, छवियां, वीडियो और मल्टीमीडिया आदि। यह उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट के जरिए पहुंच के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे।

नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी सूचना और ज्ञान तक पहुंच प्रदान करेगा। राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत से देश भर के सभी उपयोगकर्ता लाभान्वित होंगे। जानकारी की आसान खोज और पुनप्राप्ति के साथ-साथ जानकारी को सुरक्षित रखने की क्षमता से भविष्य की पीढ़ियों को एक स्थायी तरीका भी मिलेगा। वित्त मंत्री ने राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने का प्रस्ताव समावेशी विकास के हिस्से के रूप में दिया है। भारतीय छात्र आने वाले वक्त में इसी नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की मदद से अपना ज्ञान वर्धन करेंगे। विशेषज्ञों का मत है कि डिजिटल युग में भारत की तरफ से राष्ट्र निर्माण की दिशा में यह कदम सबसे कारगर साबित होगा। चूंकि बच्चों की

सीखने की क्षमता अधिक होती है, ऐसे में उनके बढ़ते डिजिटल रुझान के मद्देनजर नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी मील का पत्थर साबित हो सकती है। सरकार द्वारा बच्चों के लिए नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा पूरे देश में पंचायत और वार्ड स्तर पर देने की बात सामने आई है। अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने भी कहा है कि राज्यों को बच्चों के लिए पंचायत और वार्ड स्तरों पर वर्चुअल पुस्तकालय स्थापित करने और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंचने के लिए बुनियादी ढांचा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

ऐसे में राज्यों की ये जिम्मेदारी बनती है कि वे भी इस कार्य में रुचि लें और देश के विकास में योगदान अदा करें। डिजिटल साक्षरता में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग भी इस पहल का एक हिस्सा होगा। वित्तीय साक्षरता को बढ़ाने के लिए वित्तीय क्षेत्र के नियामकों और संगठनों को इन पुस्तकालयों को आयु-उपयुक्त पठन सामग्री प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ज्ञात हो डिजिटल एपिग्राफी म्यूजियम में एक लाख प्राचीन शिलालेख मौजूद हैं। इन शिलालेखों के भंडार को एक डिजिटल एपिग्राफी में स्थापित किया जाएगा। रिपॉजिटरी पहले चरण में एक लाख प्राचीन शिलालेखों का डिजिटलीकरण करेगी। इससे देश में शिक्षा की नई संस्कृति का निर्माण करने और महामारी के समय सीखने के नुकसान की भरपाई की जा सकेगी। इस दिशा में नेशनल बुक ट्रस्ट, चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट और अन्य सोर्स को इन भौतिक पुस्तकालयों को क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेजी में गैर-पाठ्यचर्या संबंधी शीर्षक देने और भरने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह अध्ययन सामग्री की पहुंच के विस्तार के साथ छात्रों के बीच एक मजबूत पठन संस्कृति का भी निर्माण करेगा। स्पष्ट है कि सरकार के इस कदम से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की उपलब्धता की सुविधा से बच्चों को अधिक गुणवत्ता वाली किताबें पढने का मौका मिल सकेगा। महज इतना ही नहीं, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में बच्चों को तमाम भाषाओं, भौगोलिक, शैलियों और स्तरों की पुस्तकें भी आसानी से उपलब्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि शिक्षा क्षेत्र के कई हितधारक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों और किशोरों के लिए विभिन्न विषयों में सीखने के संसाधन उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा लाए गए इस प्रस्ताव से बेहद खुश हैं। इसलिए उन्होंने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना को एक महान नीतिगत उपाय बताया है। भारत डिजिटल शिक्षा की दिशा में तेजी से प्रगति कर रहा है जिसमें स्कूल, विश्वविद्यालय और कॉलेज द्वारा डिजिटलीकरण को अपनाने, इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने और छात्रों की बढ़ती मांग से समर्थित है। देश में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर सरकार के फोकस से डिजिटल शिक्षा को महत्वपूर्ण रूप से प्रेरित किया गया है जिसमें दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना शामिल है। डिजिटल शिक्षा एक तकनीक या सीखने की विधि है जिसमें प्रौद्योगिकी और डिजिटल उपकरण शामिल हैं। यह एक नया और व्यापक तकनीकी क्षेत्र है जो किसी भी छात्र को ज्ञान प्राप्त करने और देश भर के किसी भी कोने से जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा। ऐसा माना जाता है कि भारत में डिजिटल शिक्षा और सीखने का भविष्य है। डिजिटल शिक्षा के जरिए कक्षाओं का शिक्षण अधिक मजेदार और संवादात्मक बन गया है। बच्चे इस पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। वह न केवल इसे सुन रहे हैं, बल्कि इसे स्क्रीन पर देख भी रहे हैं, जिससे उनके सीखने की क्षमता में काफी इजाफा हो रहा है। ध्वनियों और दृश्यों के माध्यम से बच्चे आसानी से सीख रहे हैं। शैक्षणिक सामग्री छात्रों को विवरणों पर और अधिक ध्यान देने में मदद करती है जिससे वे अपनी गतिविधियों को अपने दम से पूरा करने में सक्षम होते हैं। ऑनलाइन स्क्रीन की सहायता से छात्र अपने भाषा कौशल में सुधार कर लेते हैं। ई-बुक से या ऑनलाइन अध्ययन सामग्री के जरिए वे नए शब्द सीखते हैं और अपनी शब्दावली का विस्तार करते हैं। एक छात्र अपने शिक्षक से कक्षा में प्रशिक्षण के दौरान प्रश्न पूछने से झिझकता है।

लेकिन डिजिटल शिक्षा के माध्यम से भले ही वह एक बार में कुछ भी न समझ पाए, फिर भी वे अपनी दुविधा को मिटाने के लिए रिकॉर्डिंग सत्र में शामिल हो सकते हैं। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों के बीच सीखने को अधिक आकर्षक और संवादात्मक बनाया जा सकता है। भारत में डिजिटल शिक्षा के साथ चुनौतियां यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश भर के छात्रों तक डिजिटल शिक्षा पहुंचाई जा सके, सरकार को बहुत सारे प्रौद्योगिकी-आधारित अनुकूलन का सामना करना पड़ेगा। भारत में डिजिटल शिक्षा के साथ कुछ प्रमुख चुनौतियां हैं जैसे सभी के लिए इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता डिजिटल शिक्षा के लिए सबसे बड़ी आवश्यकताओं में से एक है। सूचना तक आसान पहुंच के लिए सरकार को इसे हासिल करना होगा। सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को उपकरण और तकनीक उपलब्ध कराना ताकि वे शिक्षा से वंचित न रहें। शिक्षकों को प्रशिक्षित करना एक और चुनौती है। जब शिक्षक तकनीकी रूप से सक्षम होंगे तभी वे डिजिटल कक्षाएं संचालित कर सकते हैं। डिजिटल लागत को प्रभावी बनाना हर सरकार का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल कक्षाओं के लिए उचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। राज्य सरकारों को डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए इस दिशा में तुरंत काम करना चाहिए।

संपादक की कलम से

जेल भेजती मधुशाला

भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले मनीष सिसोदिया को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार होना पड़ा है, यह एक गंभीर विरोधाभास है और तकलीफदेह भी है। यदि अन्ना हजारे उस दौर में भ्रष्टाचार के खिलाफ 'महानायक' की भूमिका में थे, तो सिसोदिया भी अग्रिम पंक्ति के नायकों में एक थे। अरविंद केजरीवाल के अंतरंग मित्र के तौर पर भी उनकी छवि अद्भुत थी। दोनों ने मिल कर 'आम आदमी पार्टी' (आप) की राजनीति और रणनीति के रेशे बुने थे। एक ईमानदार और पारदर्शी राजनीति के दावे किए गए थे। प्रशासन और सरकार में 'लोकपाल' की कल्पना की गई थी। 'आप' को उस दौर में एकतरफा और ऐतिहासिक जनादेश मिला था, जब देश की राजनीति पर नरेंद्र मोदी का जादू छाया था। मोदी देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे। उनके अपशब्दीय विरोध के बावजूद दिल्ली विधानसभा के 70 में से 67 विधायक 'आप' के चुने गए। दिल्ली में बहुत कुछ स्वप्निल-सा लग रहा था। केजरीवाल मुख्यमंत्री बने, तो सिसोदिया को उपमुख्यमंत्री बनाकर तमाम महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए। सिर्फ आबकारी नीति ने ही मोहभंग की स्थितियां पैदा कर दीं। सिसोदिया भ्रष्ट हैं या उन्होंने शराब माफिया से 'मोटी दलाली' ली है अथवा जांच एजेंसियों से बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, हम इन आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकते।

आरोपों को सच्चाई के निष्कर्ष तक ले जाना भी सीबीआई का दायित्व है, जिसकी रिमांड पर सिसोदिया हैं। अंतिम फैसला अदालत को सुनाना है, लेकिन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन का एक नायक गिरफ्तार है, यह फैसला और कारनामा एकांगी लगता है। यह शोर मचाना भी फिजूल है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सिर्फ केजरीवाल से डरते हैं। आत्म-मुग्धता की यह राजनीति ठीक नहीं है। फिलहाल मोदी और केजरीवाल की कोई राजनीतिक तुलना नहीं है। केजरीवाल देश के वैकल्पिक प्रधानमंत्री होने से कोसों दूर हैं। 'आप' की सत्ता मात्र डेढ़ राज्यों में है। एक पंजाब और दूसरा अद्र्धराज्य दिल्ली। यह मिथक भी कारगर साबित नहीं होगा कि प्रधानमंत्री मोदी बदले की राजनीति के तहत 'आप' के नेताओं पर आपराधिक केस बनवा कर उन्हें जेलों में धकेल रहे हैं। यदि जनता 'आप' के ऐसे शोर पर गौर करती, तो दिल्ली और पंजाब में धमाकेदार जनादेश के बाद लोकसभा चुनाव में भी 'आप' के सांसद चुनती, लेकिन संसदीय चुनाव में केजरीवाल को 'शून्य' समर्थन मिला। जब देश के आधे राज्यों में 'आप' के सांसद चुने जाएंगे, तो केजरीवाल को गंभीर विकल्प माना जा सकता है।

मौजूदा संदर्भ शराब घोटाले का है। दिल्ली सरकार की आबकारी नीति मंत्री-समूह ने बनाई थी। मुख्यमंत्री केजरीवाल को उसकी जानकारी नहीं होगी या कोई भी हस्तक्षेप नहीं होगा, हम ऐसा मान ही नहीं सकते। बहरहाल जांच से सब कुछ साफ हो जाना चाहिए। दिल्ली में शराब की सरकारी दुकानें होती थीं, लेकिन नई शराब नीति में निजी कंपनियों को ठेके दिए गए। बल्कि एक बोतल खरीदो और एक मुफ्त पाओ, यह अभियान भी लंबे वक्त तक चला। नीति में फेरबदल क्यों किया गया और फिर पुरानी नीति पर ही लौट आई सरकार, इसके कुछ स्पष्टीकरण तो सामने आए हैं, लेकिन तार्किक तथ्य सामने आना चाहिए। सिसोदिया ने नीति का मसविदा तय होने से पहले ही उसे शराब माफिया को भेज दिया था, सिसोदिया ने कई मोबाइल सैट बदले और कई सिम कार्ड इस्तेमाल किए, क्या वह कुछ छिपाना चाह रहे थे अथवा सबूत मिटाना चाहते थे। उन पर ये आरोप भी लगे हैं, जवाब सीबीआई के जरिए सार्वजनिक किया जा सकता है। सीबीआई जांच की सिफारिश उपराज्यपाल ने की है। बहरहाल सीबीआई पर जांच को छोड़ा जाए। आज हरिवंशराय बच्चन की 'मधुशाला' याद आ रही है, जिसकी मौजूदा पंक्तियां इस तरह होनी चाहिए- 'जेल भेजती मधुशाला।'

02 मार्च की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1886 – अमेरिका के रसायनशास्त्री और आविष्कारक मार्टिन हेल ने अलम्यूनियम की खोज की। 1940 – रूसी सेनाओं ने यूनान के समीप स्थित लासी द्वीप पर क़ब्ज़ा किया। 1952 – कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम पारित किया गया। 1970 – गयाना देश गणराज्य बना और आज के दिन को इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया। 1998 – जैविक एवं रासायनिक हथियारों की जांच को लेकर हुए गतिरोध को समाप्त करने के लिए सं.रा. महासचिव कोफी अन्नान व इराकी उपप्रधानमंत्री तारिक अजीज के बीच ऐतिहासिक समझौता सम्पन्न, विश्व में पहली बार बछड़े की प्रतिकृति क्लोन सं.रा. अमेरिका में तैयार। 2001 – अमेरिकी सीनेट द्वारा सीटीबीटी खारिज, प्रक्षेपास्त्र रक्षा प्रणाली जारी रखने की घोषणा। 2003 – कनाडा के डेविसन ने विश्वकप का सबसे तेज़ शतक लगाकर 1983 में बनाये गये कपिलदेव का रिकॉर्ड तोड़ा। 2005 – अफ़ग़ानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे। 2006 – ईराक में जातीय हिंसा में 159 लोग मारे गये। 2007 – पाकिस्तान ने शाहीन–2 का परीक्षण किया। 2008 – 10 साल बाद चुनार सीमेण्ट फैक्ट्री में उत्पादन शुरू हुआ। रक्षामंत्री ए.के. एंटनी ने जेट ट्रेनर हॉक विमान को देश के बेड़े में शामिल करने की औपचारिक घोशणा की। कोलंबो में हुए एक विस्फोट में 18 लोग घायल हुए। 2009 – भारतीय तीरंदाज थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एशियाई ग्रां प्री तीरंदाजी चैम्पियनशिप में टीम स्पर्धा में तीन रजत पदक जीते। 2010 – 2962वें वन डे में बनाए गए पहला दोहरा शतक बनाने वाले सचिन की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रिका से ग्वालियर के कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम में खेला गया एकदिवसीय मैच 153 रनों से जीत लिया। 402 रनों के लक्ष्य के जबाब में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 43वें ओवर में 248 रन बनाकर आउट हो गई। इसके साथ ही भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2–0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत के मशहूर चित्रकार एम.एफ. हुसैन को कतर की नागरिकता प्रदान कर दी गई। 23 फरवरी को जन्मे व्यक्ति 1969 – भाग्यश्री 1982 – कर्ण सिंह, भारतीय राजनेता 1983 – अज़ीज़ अंसारी, भारतीय/अमेरिकन हास्य अभिनेता 1954 – बाबा हरदेव सिंह – भारत के प्रसिद्ध संत और संत निरंकारी मिशन के आध्यात्मिक गुरु थे। 1881 – सरदार अजीत सिंह – भारत के सुप्रसिद्ध राष्ट्रभक्त एवं क्रांतिकारी थे।

2010 – 2962वें वन डे में बनाए गए पहला दोहरा शतक बनाने वाले सचिन की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रिका से ग्वालियर के कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम में खेला गया एकदिवसीय मैच 153 रनों से जीत लिया। 402 रनों के लक्ष्य के जबाब में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 43वें ओवर में 248 रन बनाकर आउट हो गई। इसके साथ ही भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2–0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

सूधो, गब्बर से कहियो जाय

आह रे सरकारी क्वार्टर! वाह रे मुझे सरकारी क्वार्टर खाली करने को नोटिस पर नोटिस देने वाले कभी मेरे जिगरी दोस्त रहे धूर्तो! खुद शापित मैं तुम्हें श्राप देता हूं- तुम्हें कभी भी सरकारी क्वार्टर न मिले। तुम चाहे कितना ही जोर क्यों न मार लो! पुश पाश लड़ा लगा मिल ही जाए तो मेरी बद्दुआ! वह हफ्ते भर में तुमसे छिन जाए। तुम प्राइवेट क्वार्टर में आ जाओ। जहां हफ्ते हफ्ते बाद पानी आता हो। जहां दिन हर पल मकान मालिक सिर पर भूत की बैठा रहे। वह तुम्हें न चैन से वहां रहने दे, न वहां से दुखी होकर जाने दे। कभी हम निवाला हम प्याला रहे जिगरियों को श्राप देते देते जब मैं थक गया तो लगा, यार! बहुत हो लिया अपने दोस्तों को रिटायरमेंट के बाद ये गाली गलौच! भलाई इसी में है कि अपनी कुटिया अब कहीं न कहीं तो बना ही ली जाए। बहुत मौज मस्ती कर ली सरकारी मकान में रहते। हे सरकारी मकान! खुदा कसम! सच कहता हूं, तुम अपनी कुटिया बन जाने के बाद भी बहुत याद आओगे! पहले सोचा फ्लैट ले लूं।

पर सबने सलाह दी, जमीन लो। कम से कम तब पांव के नीचे अपनी जमीन तो होगी। अपने पांव के नीचे जमीन के चक्कर में प्रापर्टी डिलर से डील कर प्लॉट इस मुहल्ले में ले लिया गया। सबने कहा, शहर का सबसे शांत मुहल्ला है। मेरे पड़ोस को छोड़ कर। आजकल उसी इधर उधर वालों की जमीन मारे प्लॉट पर दस कमरों वाली डुप्लेक्स कुटिया का निर्माण कर करवा रहा हूं। इसी कुटिया के लिए शुद्ध ऑर्गेनिक मैटेरियल हेतु भाग दौड़ जोरों पर है। ताकि बची जिंदगी ऑर्गेनिक की गोद में लेट चौन से जी सकूं। इसी सिलसिले में कल ऑर्गेनिक ईंटें लाने रामगढ़ जा रहा था ट्रक वाले के साथ ही ट्रक में ही। जब तक सरकारी नौकरी में रहा, शौच भी सरकारी गाड़ी में ही गया। क्योंकि तब पीठ सरकार की थी। रिटायर होने के बाद अब जेब मेरी है। इसलिए टॉयलेट शीट तक असली नाक से दस दस बार सूंघ सूंघ कर ला रहा हूं। सरकारी सप्लाई की तरह नहीं कि जो आया हाथ बिछा चला लिया।

कि पड़ोसी भाई साहब ने अचानक बिल्ली की तरह रास्ता काटते पूछा, 'कहां जा रहे हो रिटायर टैक्स विभागिए?' 'कुटिया के लिए ऑर्गेनिक ईंटें लाने रामगढ़ जा रहा हूं भाई साहब! सुना है, सब कुछ बनाने के लिए इस शहर में रामगढ़ की ईंटें ही सौभाग्यशाली मानी जाती हैं।' मैंने ज्यों ही रामगढ़ का नाम लिया तो उनका सूखा चेहरा गुलाल हो गया। 'रामगढ़?' 'हां भाई साहब! आप भी मेरे साथ चलोगे तो ईंटें लाने वाले ट्रक में सफर कहते सुनते आराम से कट जाएगा!' 'नहीं यार! अभी तो घर के बीसियों काम पड़े हैं। पर तुम रामगढ़ जा रहे हो तो मेरा एक काम करना!' 'आपको भी ईंटें लानी हैं क्या पड़ोसी की जमीन पर शौचालय बनाने के लिए?' 'नहीं बंधु! रामगढ़ जाते जाते कहीं गब्बर खैनी खाता मिले तो उससे कहना अबके होली मार्च को फिर आ रही है। इधर उधर से फुर्सत मिले तो हमारे मुहल्ले में अबके होली पर जरूर आना। हम तुम्हारा पता नहीं कबसे हर होली को पलकें बिछाए इंतजार कर रहे हैं कि तुम आओ तो रंग में जमकर भंग पड़े, गंद पड़े। बड़े साल हो गए होली के समापन पर तुम्हारे बिना। तुम्हारे बिना होली की एंडिंग कंबख्त एंडिंग ही नहीं लगती। हर त्योहार पूरे जश्न से मनाने के बाद भी अंत में जो मारधाड़ न हो, हल्ला गुल्ला न हो, फायरिंग वायरिंग न हो तो त्योहार के जश्न का सारा मजा किरकिरा हो जाता है। गुझियाए भांग का घोटा गंगाजल सा लगता है। सारे चमचमाते रंग सड़े सड़े लगते हैं।'

'दिशा' बैठक में दिशा के प्रश्न

प्रशासनिक विषमताओं के विश्लेषण में उलझती विकास की खिड़कियां और योजनाओं की सुबह होने के इंतजार में पूरा देश कदमताल करता रहता है। कुछ इसी तरह के मंजर से रूबरू केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर का कांगड़ा दौरा अपनी शिकायतों का पिटारा खोलता है, तो मालूम होता है कि लक्ष्यों के निर्धारण किस मासूमियत से असफल होने के बहाने ईजाद कर लेते हैं। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति यानी दिशा की बैठक में दिशाहीन होने का सबब धर्मशाला में केंद्रीय योजनाओं-परियोजनाओं पर हुए मंथन का एक स्थायी उत्पाद की तरह हाजिरी लगा गया। विकास में समन्वय की तलाश के मंसूबे आखिर बैठकों में ही गैर हाजिर रहते हैं, तो इस रूटीन के इंतखाब में सारा देश कैसे विजयी होगा। धर्मशाला बैठक में पड़ताल तो केंद्रीय योजनाओं की थी, लेकिन प्रशासनिक हाथों में जिम्मेदारी की लकीरें गायब होती देखी गईं। आश्चर्य यह कि इस तरह की बैठकों से गैर हाजिर रहते अधिकारियों से सवाल-जवाब करने की पद्धति दिखाई नहीं देती। ऐसी बैठकें अगर जनता के दरबार में लगें, तो स्पष्ट हो जाएगा कि देश का बजट या प्राथमिकताएं किस तरह कार्यान्वयन के अंतिम छोर तक हार जाती हैं। धर्मशाला बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कुछ बिंदुओं की पड़ताल में नाकामियों के ठीकरे अगर फोड़े हैं, तो सरकारी मशीनरी के कारण हारती देश की प्रगति का दुखड़ा सुना जा सकता है। स्मार्ट सिटी परियोजना की पड़ताल में यह स्पष्ट हो रहा है कि हिमाचल की परिपाटी अपनी पुरानी रफ्तार में केवल समय को धक्का दे रही है।

बजट की बर्बादी का आलम कई तरह से सामने आता है और यही स्मार्ट सिटी परियोजना में भी चल रहा है। आश्चर्य यह कि हिमाचल की सरकारी मशीनरी और इसे चलाने का राजनीतिक नेतृत्व किसी सुखद भविष्य के संकल्प के बजाय केवल बजट पर नाचने की फितरत सरीखा हो चुका है। धर्मशाला स्मार्ट सिटी की ही पड़ताल करें, तो सारे लक्ष्यों के कचूमर पर सिर्फ रेत-बजरी की नई कब्रें खोदी जा रही हैं। बजट के आबंटन में सरकारी मशीनरी के मोहल्ले अपनी खुशामदी में आबाद होना चाहते हैं, लेकिन किसी को यह फिक्र नहीं कि भविष्य को बनते-संवरते देखने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हुआ जाए। प्रशासन के वर्तमान दौर में देश को चलते देखना एक बात है, लेकिन देश के लिए सरकारी मशीनरी का दृढ़ प्रतिज्ञ होना अति आवश्यक है। योजनाएं उनकी मूल भावना और परियोजनाएं उनके मूल संकल्प को अगर अर्जित नहीं करती हैं, तो हम केवल सीमेंट-सरिए का विस्तार ही करते रहेंगे। यही स्मार्ट सिटी परियोजना की विडंबना है। दरअसल हर राष्ट्रीय संकल्प का परिचय आम जनता की निगाहों में होना चाहिए और इसके लिए पब्लिक ऑडिट जरूरी हो जाता है। स्मार्ट सिटी परियोजना अगर विभिन्न विभागों के रूटीन बिजनेस में समाहित हो जाए, तो अंतिम परिणाम पूरे परिदृश्य को नहीं बदल सकता। यही धर्मशाला स्मार्ट सिटी की विडंबना है कि इसके बजट से एचआरटीसी अपनी वर्कशाप को सजा रही है, तो राज्य के बजट से इतर इलेक्ट्रिक बसों की खरीद में धन की आपूर्ति के लिए स्मार्ट सिटी की जेब टटोली जा रही है।

यहां दक्षता का सवाल भी है और नवाचार से गुजरने का जज्बा भी देखा जाएगा। विडंबना यही है कि हिमाचल में सरकारी मशीनरी व राजनीति की तासीर केवल इमारतें खड़ी करने को ही भविष्य का संकल्प बना रही है। बेशक केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सरकारी मशीनरी के कान पकडने की कोशिश की, लेकिन जनता के 'दिशा बैठक' से केंद्रीय और राज्य की दिशा से जुड़े कई प्रश्न अनुत्तरित रह गए। सबसे बड़ा सवाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर को लेकर तमाम जन प्रतिनिधियों से पूछ रहा है कि चौदह सालों बाद भी किसके इशारे पर जदरांगल की प्रस्तावित जमीन में मीन-मेख निकाली जा रही है। क्या उच्च शिक्षा की दिशा में धर्मशाला के केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर की वर्तमान दिशा ठीक है और क्या इसका उत्तर अनुराग ठाकुर दे सकते हैं। क्या इसी तरह के उत्तर देते हुए हमारे जन प्रतिनिधि भविष्य के सच्चे सिपाही और प्रदेश के वफादार साबित हो रहे हैं।

ग्रामीण भारत में ठोस कचरा प्रबंधन

कुलभूषण उपमन्यु

बैटरियां और इलेक्ट्रॉनिक कचरा अलग से बेचने की व्यवस्था की जाए। जो प्लास्टिक कबाड़ी उठा ले वह बेच दिया जाए। अन्य गत्ता आदि भी बिक जाता है। इसके बाद जो कचरा बच जाए उसके निपटान की व्यवस्था सरकार को करनी होगी। इसके लिए सीमेंट प्लांट और अन्य ईंधन की मांग रखने वाले उद्योगों से बात की जा सकती है या फिर किसी केंद्रीय स्तर पर इन्सिनरेटर लगा कर ऐसे कचरे को इन्सिनरेटर में जला कर बिजली भी बनाई जा सकती है। इन्सिनरेटर में प्लास्टिक जलाने से हानिकारक धुआं वातावरण में फैलने का खतरा रहता है, किंतु आजकल अत्याधुनिक तकनीक से बने इन्सिनरेटर बिल्कुल मामूली धुआं ही छोड़ते हैं। 98.8 फीसदी धुआं जल कर समाप्त हो जाता है। कुछ प्लास्टिक उच्च तापमान पर गर्म करके डीज़ल ईंधन में तबदील किए जा सकते हैं। इस तरह से पूरी व्यवस्था को नए सिरे से खड़ा करके कचरे से गांव को बचाया जा सकता है'

भारतवर्ष में प्रतिदिन 2.63 मिलियन मीट्रिक टन ठोस कचरा पैदा हो रहा है जिसमें से 0.3 मिलियन मीट्रिक टन ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहा है। ग्रामीण भारत में तेजी से बदलती जीवन शैली के चलते शहरी सुविधाएं और उपभोक्ता वस्तुएं सुदूर ग्रामों तक पहुंच रही हैं। इस कारण एक बार प्रयोग होने वाला प्लास्टिक और अन्य भारी पैकिंग में प्रयोग होने वाला प्लास्टिक, दवाई की बोतलें, शीशा आदि दूरदराज के गांव तक पहुंच रहा है। गांव में कोई कचरा प्रबंधन व्यवस्था न होने के कारण यह काम केवल अनौपचारिक कबाडियों के ही भरोसे है। कबाड़ी भी हर प्रकार का ठोस कचरा स्वीकार नहीं करते हैं। केवल वही कचरा लेते हैं जिसकी पुनः चक्रीकरण बाजार में अच्छी मांग है। इस तरह केवल 10 फीसदी कचरा ही उठ पाता है। शेष सडक़ों, खेतों, सिंचाई व्यवस्थाओं, नदियों में खप रहा है। आम लोग, जहां कचरा परेशानी देता है वहां इकट्ठा करके जला देते हैं। उन्हें जरा भी इस बात का भान नहीं है कि प्लास्टिक से निकलने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए कितना हानिकारक है।

इसी तरह बैटरियां और इलेक्ट्रानिक कचरा भी खतरनाक स्तर तक फैलता जा रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो कोई हैरानी नहीं होगी जब गांव कचरे से पटे टापू दिखने लगेंगे। पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा मिलने और स्वच्छता अभियान के बाद यह आशा जगी थी कि कोई रास्ता निकलेगा, किंतु केवल जागरूकता से ही ऐसी पेचीदा समस्याओं का समाधान निकलना संभव नहीं होता। इसके लिए टिकाऊ संस्थागत व्यवस्था होना जरूरी होता है। किंतु पंचायतों में अभी ऐसी व्यवस्था पनप नहीं सकी है। पंचायत प्रतिनिधि और कर्मचारी दूसरे निर्माण कार्यों में व्यस्त रहते हैं और इस विषय को अधिमान भी कम ही देते हैं। हालांकि कई जगह कचरा एकत्रण के लिए कमरे बनाए गए हैं किन्तु एकत्रण के लिए कर्मचारी व्यवस्था न होने के कारण लोगों से यह उम्मीद करना कि वे अपने अपने घर से कचरा उठा कर कचरा गृह तक पहुंचा देंगे, व्यावहारिक नहीं लगता है। पंचायतों को इस दिशा में सक्रिय करने के लिए विशेष टाइड फंड देकर सक्रिय किया जा सकता है।

प्रति परिवार स्वच्छता कर लगा कर भी कुछ राशि इकट्ठा की जा सकती है। स्थानीय दुकानदारों या अन्य व्यावसायिक संस्थाओं से भी कुछ राशि ली जा सकती है। कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत उद्योगों से भी पंचायतों को आर्थिक संसाधन खड़ा करने के लिए मदद दिलाई जा सकती है। इस तरह आर्थिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद कचरा गृह के लिए स्थान तय करके निर्माण के बाद सौ-डेढ़ सौ घरों पर एक कार्यकत्रा रखना होगा जो रोज घर घर जाकर कचरा इकट्ठा करके कचरा गृह पहुंचा सके। किन्तु इससे पहले प्रत्येक घर तक यह जागरूकता पहुंचाना जरूरी है कि वे प्लास्टिक कचरा व अन्य सूखा कचरा अलग अलग इकट्ठा करें। रसोई का गीला कचरा खाद बनाने के लिए गड्ढा बना कर इस्तेमाल कर लें। बैटरियां और अन्य इलेक्ट्रॉनिक कचरा अलग रखें। इनको अलग अलग करने के बाद ही कचरे का उपचार किया जा सकता है। यह बात लगातार निवासियों को समझते रहना पड़ेगा ताकि कोई ढील न आ जाए। बैटरियां और इलेक्ट्रॉनिक कचरा अलग से बेचने की व्यवस्था की जाए। जो प्लास्टिक कबाड़ी उठा ले वह बेच दिया जाए। अन्य गत्ता आदि भी बिक जाता है। इसके बाद जो कचरा बच जाए उसके निपटान की व्यवस्था सरकार को करनी होगी। इसके लिए सीमेंट प्लांट और अन्य ईंधन की मांग रखने वाले उद्योगों से बात की जा सकती है या फिर किसी केंद्रीय स्तर पर इन्सिनरेटर लगा कर ऐसे कचरे को इन्सिनरेटर में जला कर बिजली भी बनाई जा सकती है।

इन्सिनरेटर में प्लास्टिक जलाने से हानिकारक धुआं वातावरण में फैलने का खतरा रहता है, किंतु आजकल अत्याधुनिक तकनीक से बने इन्सिनरेटर बिल्कुल मामूली धुआं ही छोड़ते हैं। 98.8 फीसदी धुआं जल कर समाप्त हो जाता है। कुछ प्लास्टिक उच्च तापमान पर गर्म करके डीज़ल ईंधन में तबदील किए जा सकते हैं। इस तरह से पूरी व्यवस्था को नए सिरे से खड़ा करके कचरे से गांव को बचाया जा सकता है। जो कंपनियां अपने माल को पैक करके कचरा फैलाती हैं उनको भी जिम्मेदार बनाया जा सकता है कि वे कचरा वापिस लें। जैसे कि ठंडे की शीशे की बोतलें लगातार कंपनियां वापिस लेती हैं। ये सब करने के बाद भी हो सकता है कि कुछ कचरा बच जाए। उसके लिए डंपिंग के लिए सुरक्षित जगह निश्चित हो। जहां जल स्रोतों और जमीन को कोई खतरा न हो वहां उसे डंप किया जाना चाहिए। इसमें ग्रामीण समाज की बड़ी जिम्मेदारी बनती है क्योंकि कचरे की हानियों से वही शिकार होते हैं। इसलिए व्यापक जन जागरूकता अभियान साथ-साथ चलते रहने चाहिए, लेकिन प्रबंधन व्यवस्था स्थापित किए बिना जागरूकता भी असफल ही सिद्ध होती है।

इनसाइड

Moody's ने दिए शुभ संकेत, 2023 में भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान पहुंचा 5.5 फीसद

नई दिल्ली। साल 2023 भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा साबित हो सकता है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस (Moody's) ने बजट में पूंजीगत व्यय में की गई वृद्धि और मजबूत आर्थिक गति को देखते हुए साल 2023 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ा दिया है। यह पहले 4.8 प्रतिशत था, जिसे अब बढ़ाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छा संकेत है। भारत में, वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पूंजीगत व्यय बजट आवंटन में 10 ट्रिलियन (जीडीपी का 3.3 प्रतिशत) की तीव्र वृद्धि को शामिल किया गया है। यह मार्च में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए 7.5 ट्रिलियन रुपये की तुलना में अधिक है।

अर्थव्यवस्था में तेजी का अनुमान

70 आधार अंकों की वृद्धि का अनुमान लगाते हुए मूडीज के मुताबिक, 2023 में वास्तविक GDP विकास दर 5.5 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो 2024 में बढ़कर 6.5 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इसके आलवा, 2023 के लिए बड़े कैरी-ओवर प्रभाव के रूप में भारत के विकास दर अनुमान को बढ़ाया गया है।

उभरते बाजार के रूप में आ रहा भारत

मूडीज ने कहा कि भारत सहित कई उभरते बाजार वाले देशों में आर्थिक गति पिछले साल के अनुमान से अधिक मजबूत साबित हुई है। बता दें कि ग्लोबल मैक्रो आउटलुक 2023-24 में मूडीज ने अमेरिका, कनाडा, यूरो क्षेत्र, भारत, रूस, मैक्सिको और तुर्किये सहित कई जी20 अर्थव्यवस्थाओं के लिए वास्तविक विकास अनुमानों को पेश किया है।

वैश्विक विकास रहेगा धीमा

भारत को छोड़ वैश्विक विकास पर ध्यान दें तो मूडीज का अनुमान है कि 2023 में यह धीमा रहेगा। अधिकांश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक गतिविधियों और रोजगार पर संचयी मौद्रिक नीति का असर दिखेगा। G-20 वैश्विक आर्थिक विकास 2022 के 2.7% से घटकर 2023 में 2% हो जाएगा, वहीं, 2024 में फिर से 2.4% तक सुधार होने का अनुमान है।

आर्थिक गतिविधियों में तेजी का असर, जीएसटी संग्रह 12 फीसद बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (GST) संग्रह फरवरी में 12 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। इस दौरान घरेलू आर्थिक गतिविधियां तेज हो गईं और महंगी वस्तुओं पर होने वाले उपभोक्ता खर्च में तेजी आई है। हालांकि, यह जीएसटी संग्रह जनवरी के 1.58 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से कम है। 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद से यह दूसरा सबसे बड़ा मासिक राजस्व आंकड़ा है।

टैक्स भरने से पहले समझ लें टीसीएस और टीडीएस का पूरा गणित, चूक गए तो हो सकता है नुकसान

एनटीवी न्यूज

हम सभी ने TDS या TCS का भुगतान जरूर किया होगा या इनके बारे में सुना होगा। इनकम और सेल के स्त्रोत से कटने वाले इन टैक्स के बारे में विस्तार से जानने के लिए नीचे पढ़ें ।

नई दिल्ली। अगर आप एक करदाता है तो आपने TDS के बारे में जरूर सुना होगा, जिसे आपके आय के सोर्स से काटा जाता है। इसी तरह की एक और टैक्स कटौती की जाती है, जिसे TCS कहा जाता है। ये दोनों सरकार के लिए मुख्य आय के स्त्रोत जैसे हैं। करदाता के लिए ये इनकम टैक्स के भुगतान में लगने वाली पेनल्टी से बचाते हैं। पर क्या आपको पता है कि इन दोनों में क्या अंतर है?

क्या हैं TDS और TCS?

TDS का मतलब होता है टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स, यानी कि किसी भी स्त्रोत पर टैक्स की कटौती। आयकर विभाग किसी भी कंपनी या व्यक्ति को स्त्रोत पर कर कटौती करने के लिए बाध्य करता है। टीडीएस की दरें सरकार द्वारा आयकर अधिनियम के तहत तय की जाती हैं। इसमें टीडीएस काटने वाली कंपनी या व्यक्ति को डिडक्टर कहा जाता है, जबकि भुगतान प्राप्त करने वाली कंपनी या व्यक्ति को डिडक्टी कहा जाता है।

इन चीजों पर होता लागू

टीडीएस मुख्य रूप से ब्याज, वेतन, ब्रोकरेज, प्रोफेशनल फीस, कमीशन, सामान की खरीद, किराया जैसी चीजों पर लागू होता है। वहीं, टीसीएस टिम्बर, स्क्रैप, खनिज, शराब, तेंदू पत्ता, वनोपज, कार और टोल टिकट की बिक्री पर लागू होता है। ये दोनों 50 लाख रुपये से ऊपर की खरीद-बिक्री पर लागू होते हैं।

भुगतान का समय

TDS की कटौती भुगतान के ड्यू डेट या भुगतान का समय, दोनों में जो पहले हो, किया जाता है। वहीं, TCS विक्रेता के द्वारा माल की बिक्री के समय किया जाता है।

कब होता है भुगतान?

टीडीएस जमा करने की समय हर महीने की 7 तारीख है, जबकि टीडीएस रिटर्न तिमाही में जमा करना होता है। दूसरी तरफ, जिस महीने में आपूर्ति की जाती है उसी महीने के दौरान टीसीएस का भुगतान किया जाता है और महीने के खत्म होने से 10 दिन के भीतर सरकार के खाते में जमा कर दिया जाता है।

लगने वाला पेनल्टी

TDS के भुगतान में अगर करदाता विफल रहता है या रिटर्न सही ढंग से फाइल नहीं किया गया है तो धारा 271एच कटौतीकर्ता/संग्राहक पर न्यूनतम 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। वहीं, आयकर अधिनियम की धारा 201(1ए) टीडीएस की गैर-कटौती के लिए 1.5% प्रति माह की दर से ब्याज काटा जाता है।

आर्थिक गतिविधियों में तेजी का असर, जीएसटी संग्रह 12 फीसद बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये

फरवरी महीने में GST के संग्रह में इजाफा देखा गया। बीते महीने में 12 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मासिक राजस्व आंकड़ा है।

नयी दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (GST) संग्रह फरवरी में 12 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। इस दौरान घरेलू आर्थिक गतिविधियां तेज हो गईं और महंगी वस्तुओं पर होने वाले उपभोक्ता खर्च में तेजी आई है। हालांकि, यह जीएसटी संग्रह जनवरी के 1.58 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से कम है। 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद से यह दूसरा सबसे बड़ा मासिक राजस्व आंकड़ा है।

वित्तमंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि फरवरी 2023 में 1,49,577 करोड़ रुपये का सकल जीएसटी राजस्व एकत्र किया गया, जो पिछले साल इसी महीने के जीएसटी राजस्व से 12 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि आमतौर पर फरवरी 28 दिन का महीना होता है, इसलिए जीएसटी राजस्व का संग्रह अपेक्षाकृत कम होता है।

किस मद में कितना रहा GST कलेक्शन

घरेलू लेन-देन (सेवाओं के आयात सहित) से प्राप्त राजस्व 15 प्रतिशत अधिक था, जबकि माल के आयात से प्राप्त राजस्व पिछले साल इसी महीने की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक था। केपीएमजी इंडिया में इनडायरेक्ट टैक्स के जानकार अभिषेक जैन ने कहा कि यह घरेलू बाजार में बढ़ती आत्मनिर्भरता का संकेत देता है और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सकल जीएसटी राजस्व में से, केंद्रीय जीएसटी 27,662 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 34,915 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 75,069 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 35,689 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,931 करोड़ रुपये था। GST लागू होने के बाद से 11,931 करोड़ रुपये का उपकर संग्रह अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है।

इन वस्तुओं से ज्यादा GST की उम्मीद

जानकारों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में पान मसाला और तंबाकू निर्माताओं के खिलाफ कर किए गए प्रवर्तन कार्रवाई से करों का अधिक संग्रह हो सकता है और इस तरह सेस पूल में योगदान दिया जा सकता है। इसके अलावा, भारतीय वाहन निर्माताओं ने वाहनों के लिए ठोस घरेलू बिक्री की सूचना दी, जिसने संग्रह को भी बढ़ावा दिया है। वहीं, माल के आयात से जीएसटी राजस्व सालन आधार पर कम होने की संभावना है।

यात्रा क्रेडिट कार्ड के लिए आईआरसीटीसी व एचडीएफसी बैंक में साझेदारी, रूपे नेटवर्क पर होगा आधारित

एनटीवी न्यूज

क्रेडिट कार्ड टिकटिंग वेबसाइट और आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ऐप के माध्यम से बुक किए गए ट्रेन टिकटों की बुकिंग पर विशेष लाभ और अधिकतम बचत की सुविधाएं प्रदान करेगा।

रेल मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) और भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने साझेदारी में एक को-ब्रांडेड यात्रा क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की घोषणा की है।

यह कार्ड आईआरसीटीसी-एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड के नाम से जाना जाएगा। नया लॉन्च किया गया सह-ब्रांडेड कार्ड एक ही संस्करण में उपलब्ध होगा। यह विशेष रूप से एनपीसीआई के रूपे नेटवर्क पर आधारित होगा। यह भी दावा किया गया है कि यह अब तक का सबसे अधिक रिवार्डिंग को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड होगा।

यात्रियों को ज्वॉइनिंग बोनस, बुकिंग पर छूट और एग्जीक्यूटिव लाउंज एक्सेस की सुविधा मिलेगी

यह क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को आईआरसीटीसी की टिकटिंग वेबसाइट व आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ऐप के माध्यम से बुक किए गए ट्रेन टिकटों की बुकिंग पर विशेष लाभ और अधिकतम बचत की सुविधाएं प्रदान करेगा। इसके तहत आईआरसीटीसी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्डधारकों को आकर्षक ज्वॉइनिंग बोनस, बुकिंग पर छूट और देश भर के रेलवे स्टेशनों पर मौजूद एग्जीक्यूटिव लाउंज तक पहुंचने की सुविधाएं दी जाएंगी।

यात्रा क्रेडिट कार्डधारकों को आईआरसीटीसी व एचडीएफसी की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा

इस साझेदारी की घोषणा के मौके पर बताया गया कि यात्रियों को बेहतर मूल्य व बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए दो प्रमुख भारतीय ब्रांडों की ताकत को जोड़ने का फैसला लिया गया है। यह कार्ड देश में कार्ड जारी करने में मार्केट लीडर के रूप में स्थापित एचडीएफसी बैंक की विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा। यात्रियों को सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास रिवॉड्‌र्स प्रोग्राम और ट्रेन यात्रा पर आईआरसीटीसी की बेजोड़ सेवाओं का लाभ मिलेगा।

लॉन्चिंग पर ये लोग रहे मौजूद

इस क्रेडिट कार्ड को आईआरसीटीसी की अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक रजनी हसीजा, एचडीएफसी बैंक के भुगतान, उपभोक्ता वित्त, डिजिटल बैंकिंग और आईटी के समूह प्रमुख पराग राव और एनपीसीआई की सीओओ प्रवीणा राय की मौजूदगी में लॉन्च किया गया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

लगातार गिरने के बाद चढ़ा सोने का रेट आज यहां मिल रहा सबसे सस्ता गोल्ड

पिछले कई दिनों से सोने के रेट में तेज गिरावट देखी जा रही थी। सोना कुछ दिनों से लगातार सस्ता हो रहा था। आज इसके दाम में गिरावट थम गई। आप भी चेक कर लें कि सोने का रेट आपके शहर में क्या है।

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच बुधवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 475 रुपये की तेजी के साथ 55,955 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। पिछले कारोबार में सोना 55,480 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी में 1,225 रुपये की गिरावट हुई। विदेशी बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,833 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था जबकि चांदी मामूली तेजी के साथ 21.04 डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) में लगातार दो दिनों तक खुदरा कारोबार के निचले स्तर पर रहने के बाद आज भारतीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में मिलाजुला रुख दिखा। जहां मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमतों में शुरुआती गिरावट देखी गई, वहीं दूसरे सत्र में भाव में सुधार होने लगा।

सोने के भाव में मजबूती

5 अप्रैल, 2023 को परिपक्व होने वाले सोने के शुरुआती वायदा भाव में 47 रुपये या 0.08 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई और यह 55,774 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। बाद में रेट मजबूत होकर 55,870 रुपये पर आ गया। अमेरिकी मुद्रास्फीति की बढ़ती चिंताओं के बीच मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख के कारण सोने की कीमतें बिकवाली के दबाव में हैं और लगभग 2 महीने के निचले स्तर पर बनी हुई हैं।

सोने की कीमत कल घरेलू बाजार में 55,402 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली और आज सुबह के सत्र में और निचले स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में भी सोने की कीमत में सुधार हुआ और मंगलवार के सत्र में सुबह के कारोबार में यह 1,813.94 डॉलर प्रति औंस के निचले स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, यूएस फेड द्वारा ब्याज दर में वृद्धि की अटकलों के कारण अमेरिकी डॉलर की दर मजबूत बनी रही।

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के कारण सोने की कीमतों पर गहरा दबाव है, जिसने अमेरिकी फेड अधिकारियों के बीच मुद्रास्फीति की आशंका को बढ़ा दिया है। यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में अपेक्षित वृद्धि के कारण अमेरिकी डॉलर की दरों में भी तेजी आई है और डॉलर इंडेक्स 105 के स्तर पर चढ़ गया है।

Today Gold Silver Rates: गुड रिटर्न के मुताबिक, समाचार लिखे जाने तक सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें इस तरह हैं-

दिल्ली में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 56,440 रुपये है।

जयपुर में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 56,440 रुपये में बिक रहा है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 56,340 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 56,290 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 56,290 पर बिक रहा है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 56,340 रुपये का है।

हैदराबाद में 24 कैरेट 10 ग्राम सोना 56,290 रुपये का है।

चंडीगढ़ में सोने की कीमत 56,440 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 56,440 रुपये है।

श्रीलंका में श्रमिक संगठनों ने किया देशव्यापी बंद; जीवनयापन प्रभावित, राष्ट्रपति ये बोले

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे जो देश के वित्त मंत्री भी हैं ने पिछले साल वैट (मूल्य वर्धित कर) को 15 प्रतिशत बढ़ाने के बाद जनवरी में कॉरपोरेट करों को 24 प्रतिशत से बढ़ाकर 13 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया था। श्रीलंका सरकार ने जनवरी से कर वृद्धि की शुरुआत की। माना जा रहा है कि ऐसा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मांग पर किया गया।

नई दिल्ली। सरकार की ओर कर और उपयोगिता दरों में भारी वृद्धि के विरोध में श्रीलंका के ट्रेड यूनियनों ने बुधवार को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल किया। इस दौरान संकटग्रस्त द्वीपीय देश में दैनिक जीवन को ठप कर दिया गया है और हवाई अड्डों, बंदरगाह और बैंकिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सेवाएं बाधित कर दी गईं।

विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित ट्रेड यूनियनों ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की ओर से जारी आवश्यक सेवाओं के आदेश की अवहेलना करने के बाद हड़ताल का आह्वान किया। हड़ताल के दौरान सरकार से कर वृद्धि को वापस लेने की अपील की गई।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे जो देश के वित्त मंत्री भी हैं ने पिछले साल वैट (मूल्य वर्धित कर) को 15 प्रतिशत बढ़ाने के बाद जनवरी में कॉरपोरेट करों को 24 प्रतिशत से बढ़ाकर 13 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया था।

श्रीलंका सरकार ने जनवरी से कर वृद्धि की शुरुआत की। माना जा रहा है कि ऐसा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मांग पर किया गया।

उन्होंने कहा, 'हमने आज सुबह सात बजे से कल सुबह सात बजे तक हड़ताल शुरू की है। हम आवश्यक सेवाओं के आदेश को स्वीकार नहीं करेंगे। बंदरगाह ट्रेड यूनियन के नेता निरोशन गोराकानागे ने मीडिया से कहा, "यह कर वृद्धि के साथ हमारी कठिनाइयों को बढ़ाने के लिए उठाया गया एक कदम है।

उन्होंने कहा कि बुधवार को पहुंचने वाले आठ जहाज और कोलंबो बंदरगाह से रवाना होने वाले जहाज हड़ताल से प्रभावित हुए। बैंक कर्मचारियों के ट्रेड यूनियन के एक अधिकारी चन्ना दिसानायके ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका सहित दो सरकारी बैंकों में बुधवार को काम रोक दिया गया है।

शिक्षक ट्रेड यूनियन के प्रवक्ता जोसेफ स्टालिन ने कहा कि शिक्षक सरकार के कदम का विरोध करने के लिए बांह पर काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय शिक्षक महासंघ की चारुका इलांगसिन्हा ने कहा कि जब तक सरकार कर वृद्धि वापस नहीं लेती तब तक हड़ताल का सहारा लिया जाएगा।

श्रीलंका के राष्ट्रपति सह वित्त मंत्री विक्रमसिंघे ने कहा है कि मौजूदा आर्थिक संकट से उबरने के लिए कर बढ़ाना एक जरूरी कदम है। हालांकि, ट्रेड यूनियनों का आरोप है कि कर संशोधन आईएमएफ को खुश करने के लिए किया गया था क्योंकि द्वीप को वैश्विक ऋण प्रदाता से 2.9 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज को मंजूरी मिलने का इंतजार है।

विक्रमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका को अपने कर राजस्व को 2019 के स्तर तक बढ़ाने की जरूरत है। 2019 में विक्रमसिंघे के पूर्ववर्ती गोटबाया राजपक्षे ने आईएमएफ बेलआउट की मांग को नजरअंदाज करते हुए कर राजस्व में भारी कमी की थी। वर्तमान राष्ट्रपति ने कहा कि वह उच्च करों से लोगों पर पड़ने वाले बोझ से अवगत हैं, लेकिन उच्च कर श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था के बचाव अभियान का हिस्सा हैं।

आईएमएफ ने पिछले साल सितंबर में श्रीलंका को 1.30 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज को मंजूरी दी थी, जो चार साल से अधिक समय से लंबित है। बुधवार की हड़ताल से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर अनिश्चितता और बढ़ सकती है। चुनाव आयोग ने घोषणा की कि स्थानीय निकाय चुनाव योजना के अनुसार 24 मार्च को नहीं होंगे, और एक नई तारीख 15 मार्च को अधिसूचित की जाएगी।

हमने विकास को बढ़ावा दिया, 'आपने' माफियाओं को खड़ा किया : योगी

एनटीवी न्यूज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में बजट पर विपक्ष के सवालों के जवाब दिए और पूर्ववर्ती सरकारों व वर्तमान सरकार के आर्थिक प्रबंधन पर चर्चा की।

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तवर्ष 2023-24 के लिए पेश किए गए बजट के आकार पर कहा कि यह बजट पिछले छह साल में प्रदेश की अर्थव्यवस्था में हुए विकास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले बजट का आकार तीन लाख 40 हजार करोड़ था जबकि इस बार हमने 6 लाख 90 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने यूपी को बीमारू प्रदेश बना दिया था हम अगले पांच साल में इसे देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे। आपने प्रदेश में माफियाओं को खड़ा किया और प्रदेश को विकास के पैमाने पर पीछे जाने को मजबूर कर दिया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया है। आपने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' दिया था। उन्होंने सपा पर प्रदेश के कलाकारों व लघु उद्यमियों का अपमान करने का आरोप लगाया।

उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की नामौजूदगी पर निशाना साधते हुए कहा कि हर समस्या के सामने दो रास्ते होते हैं। एक... निदान के लिए भाग लो या फिर समस्या देखकर ही भाग लो...। जैसे अभी नेता प्रतिपक्ष (अखिलेश यादव) की कुर्सी खाली है वैसे ही प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार समस्याओं से अपना पीछा छुड़ाकर भाग लेती थी।

पांच साल में देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था होगा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मुझे बताते हुए प्रसन्नता है यूपी हमारा राज्य आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। हमारे पास आज के दिन बढ़ा राजस्व लोक कल्याण का आधार बन रहा है। गरीबों, किसानों, माताओं और बेटियों के कल्याण का आधार बन रहा है। वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने का आधार बन रहा है। यूपी को जिसे आप लोगों ने बीमारू बना दिया था, आज वह बीमारू से उबर चुका है, देश की बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभर रहा है। मैं कह सकता हूं कि हमारा पहला ग्राउंड ब्रेकिंग होने दीजिए यूपी नंबर दो की अर्थव्यवस्था होगी, पांच साल में देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था होगा। सीएम ने आगे कहा कि पिछले पांच वर्ष में कोई अतिरिक्त टैक्स जनता पर नहीं लगाया। पेट्रोल डीजल के दाम यूपी में सबसे कम है, अगल-बगल के राज्यों से मिला लीजिए। यूपी में जीएसटी देने के लिए व्यापारी वर्ग उतावला है। 26 लाख से अधिक व्यापारियों ने जीएसटी में रजिस्ट्रेशन किया है और लगातार कर रहा है। सरकार ने हर व्यापारी को 10 लाख की सुरक्षा बीमा का कवर उपलब्ध कराया है।

जाति का मुद्दा उठाना ध्यान हटाने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आप बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की बात कर रहे थे न, 2012 से 17 के बीच क्या हुआ था हर कोई जानता है। 2016-17 में अनुसूचित जाति और जनजाति के 21 लाख 21 हजार 629 छात्र-छात्राओं की तत्कालीन सरकार ने छात्रवृत्ति रोक दी थी। जब हमारी सरकार आई मार्च 17 में हमने दोनों साल का जोड़कर स्कॉलरशिप दिया था। यही लोग दलितों, गरीबों, वंचितों, पिछड़े के हक पर डकैती डालने का काम करते थे, जब कुछ नहीं होता तो जाति जाति चिल्लाने का काम करते हैं। कोई मुद्दा न मिले तो जाति का मुद्दा उठाकर समाज के ध्यान को हटाने का प्रयास किया जाता है।

आप ओडीओपी तो नहीं दे पाए, मगर वन डिस्ट्रिक्ट वन मफिया जरूर दिया

नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को लेकर सरकार के प्रयासों सवाल उठाया तो बुधवार को सीएम योगी ने उनके आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट ने एमएसएमई को नया जीवन दिया है। इसी का परिणाम है कि यूपी एक्सपोर्ट का हब बना है। यूपी आज 2016 -17 की तुलना में दोगुने से अधिक रोजगार दे रहा है। 21-22 में 1 लाख 56 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट हमारा केवल 21-22 में ही पहुंच चुका है। उन्होंने चुटीले अंदाज में कहा कि आप ओडीओपी तो नहीं दे पाए, मगर वन डिस्ट्रिक्ट वन मफिया जरूर दिया था। कौन सा जिला था जहां एक माफिया नहीं था। कहीं संगठित अपराध, कहीं खनन, कहीं वन माफिया था, ये हर आम आदमी यूपी का जानता है।

ओडीओपी आज दुनिया भर में लोकप्रिय

सीएम योगी ने आगे कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि हमारी सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की अभिनव योजना प्रदेश की एमएसएमई को देश के अंदर और दुनिया के अंदर प्रस्तुत किया। आज ये दुनिया की लोकप्रिय योजना बन चुकी है। प्रधानमंत्री आज पूरी दुनिया में कहीं जाते हैं और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की प्रतिकृति उपहार में देते हैं तो कलाकार की कृति को वैश्विक मान्यता मिलती है। इस पर गौरव करने की जगह इसका उपहास उड़ाना अपने हस्तशिल्पियों का मजाक उड़ाने जैसा है। उन्हें हम हतोत्साहित कर रहे हैं, जबकि हमें उसे प्रोत्साहित करना चाहिए, वो हमारे विरासत का हिस्सा है। आपके लिए वो जाति का हिस्सा हो सकता है, हमारे लिए एक हस्तशिल्पी की कला को सम्मान देना है।

वैक्सीन और राशन किसी की जाति देखकर नहीं लगाए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि टेस्ट, वैक्सीन और राशन किसी की जाति देखकर नहीं लगाए गए थे। योजनाओं का लाभ, विकास सब तक पहुंचाने का काम हमने पूरी मजबूती के साथ किया। विरोधी दल कैसी बातें कर रहे थे। जाति हाय री जाति। कल पूरे टेलिविजन रंगे थे, प्रयागराज की घटना को लेकर। पूरी घटना का साजिशकर्ता की फोटो वायरल हो रहे थी। कोई उससे भाग नहीं सकता है। हाथ मिला रहे हैं, पीछे आपकी पार्टी का सिंबल लगा है, फिर भी आप मुंह मोड़ने का काम कर रहे हैं। उमेश पाल, संदीप निषाद की कोई जाति नहीं थी क्या। यानि आप ठेका ले चुके हैं जाति का लेकिन किसी गरीब, पिछड़े को पेशेवर अपराधियों को संरक्षण देकर मरवाएंगे, ये क्या तमाशा है, फिर मुकर भी जाएंगे, ये बड़ी अजीब बात है। राजू पाल की कोई जाति नहीं थी क्या, जब राजू पाल की हत्या हुई थी तब इस माफिया के संरक्षणदाता कौन थे। राजू पाल अपने दम पर विधायक बन गया था। आप जाति-जाति की बात करते हैं। मैंने इसी बात को पिछली बार भी कहा था। हम विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर, यूपी की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन बनाने की बात करते हैं तो आप हंसते हैं। आपने प्रदेश को जहां छोड़ा था आज यात्रा उससे बहुत आगे बढ़ चुकी है। उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन इकॉनमी बनेगा और जरूर बनेगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

नेता विरोधी दल ने भी माना कि 34 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव आए हैं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा सरकार की जिम्मेदारियों के बारे में बात करते हुए कहा कि इतने बड़े प्रदेश के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सब 25 करोड़ जनता के प्रतिनिधि के रूप में यहां बैठे हैं। नेता प्रतिपक्ष कह रहे थे कि आप दावोस गए होते तो 50 लाख करोड़ का प्रस्ताव आता। यानी उन्हें विश्वास है कि प्रस्ताव आए हैं। ये जो 34.09 लाख करोड़ के प्रस्ताव आए हैं।

ये जनविश्वास और सरकार की क्रेडिबिलिटी का ही प्रतीक है। यह 2017 से पहले क्यों नहीं आता था। प्रदेश की जनता और दुनिया 2013 के वाकये को नहीं भूली होगी, जब कुंभ पर प्रजेंटेशन के लिए हावर्ड गए थे और चचाजान को तलाशी से गुजरना पड़ा। प्रदेश को हमने कहां पहुंचा दिया था। किसी एक फील्ड में यूपी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया होता तो परिणाम अलग होते।

130 में 110 संकल्पों के लिए की बजट की व्यवस्था

मुख्यमंत्री योगी ने 2022-23 के बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस बजट में अगर आप देखेंगे तो हमने जनता से जो वायदे किए थे उन सबको इसमें समाहित किया है। 2022 के चुनावों में पार्टी ने लोक कल्याण संकल्प पत्र को जारी करते हुए 130 संकल्प का वादा किया था। 130 मे से 110 संकल्पों के लिए बजट की व्यवस्था की गई है। 64,700 करोड़ की राशि की इसके लिए व्यवस्था की गई है। गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं के लिए इस धनराशि की व्यवस्था की गई है।

आप घोषणा करते थे, हम संकल्प लेते हैं और उन्हें पूरा करते हैं

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि पहले आप घोषणापत्र जारी करते थे। घोषणाएं बड़ी-बड़ी होती थी, होता कुछ नहीं था। 2016 में रियो दि जेनेरियो ओलंपिक के खिलाड़ियों, बैडमिंटन से पीवी सिंधु, कुश्ती में साक्षी मलिक और जिम्नास्टिक में दीपा कर्माकर को एक-एक करोड़ देने की घोषणा की थी। 6 महीने में कुछ नहीं किया, फिर जनता ने कुछ करने लायक ही नहीं छोड़ा। जब हमें जानकारी मिली तब 26 जनवरी 2018 को प्रदेश सरकार की ओर से हमने राशि प्रदान की। आप घोषणा के अलावा करते क्या थे, हम लोग संकल्प करते हैं और उसी आधार पर कार्य करते हैं।

वित्तीय प्रबंधन को लेकर सीएम योगी ने कहा कि हमारे संकल्प पत्र को नेता विरोधी दल पढ़ रहे थे। वित्तीय प्रबंधन कैसे होना चाहिए। किस रूप में कर चोरी होती थी। कैसे प्रदेश के विकास को बाधित करते थे। कैग की रिपोर्ट और विभिन्न जाचों में रिपोर्ट मिलेगी। यमुना एक्सप्रेस वे अथॉरिटी (यीडा) 2016 तक 642 करोड़ लॉस और उसके बाद रिकॉर्ड प्रॉफिट तक गया। कहते थे नोएडा जो जाएगा वो दुबारा नहीं आएगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि अब तो पक्का नहीं आएंगे, मैंने कहा था कि डंके की चोट पर आउंगा। सरकार कैसे कार्य कर रही है और कैसे आप कर रहे थे। पहले राजस्व 86 हजार करोड़ का आता था। इस बार 31 मार्च तक कुल रेवेन्यू 2 लाख

इनसाइड

केंद्रीय कैबिनेट ने दी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को मंजूरी, बनाई जाएंगी दो लाख सहकारिता समिति

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजना वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को अपनी मंजूरी दे दी है। इस प्रोग्राम के के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 के लिए 4800 करोड़ रुपये का वित्तीय आवंटन किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने बताया, देश की सीमाओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम लाई है। इसके तहत देश की उत्तरी सीमाओं पर बसे गांवों में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जाएगा। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के 19 जिलों के 2966 गांवों में सड़क, बिजली जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा। दो लाख सहकारी समितियां बनेंगी इसके अलावा कैबिनेट ने देश में सहकारिता आंदोलन की जमीनी स्तर तक पहुंच को मजबूत करने के लिए लिए भी समितियों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया, अगले पांच सालों में दो लाख बहुउद्देशीय डेयरी, मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है।

सिंकुलना टनल को की मिली मंजूरी इसके अलावा कैबिनेट बैठक में सिंकुलना टनल के निर्माण को भी मंजूरी दे दी गई। इस टनल के निर्माण से लद्दाख के लिए ऑल वेदर रोड कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी।

बिल गेट्स ने की मनसुख मंडाविया ने मुलाकात, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से मुलाकात की। स्वास्थ्य मंत्री ने ट्वीट करते हुए लिखा कि बिल गेट्स ने भारत के कोरोना प्रबंधन, वैक्सीनेशन और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन जैसी डिजिटल स्वास्थ्य पहलों की सराहना की। हमने G20 में भारत की स्वास्थ्य प्राथमिकताओं, पीएम भारतीय जनऔषधि परियोजना और ई-संजीवनी के बारे में चर्चा की।

बिल गेट्स ने भारत के डिजिटल नेटवर्क को सराहा

बिल गेट्स ने कहा कि भारत में बेहतरीन डिजिटल नेटवर्क है। भारत सबसे सस्ता 5जी बाजार होगा। भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत बुधवार को 'जुझारू और समावेशी अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण- डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का वादा' विषय पर आयोजित एक सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत में शानदार डिजिटल नेटवर्क है और स्मार्टफोन का उपयोग करने वाले लोगों का प्रतिशत बहुत अधिक है। इस मौके पर दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 2023 को एक ऐतिहासिक वर्ष करार दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक अब परिपक्व हो गई है।

शिवपाल पर सीएम योगी बोले: आप संघर्ष कर आगे बढ़े फिर भी अन्याय हुआ, हमारे साथ होते तो तस्वीर कुछ और होती

एनटीवी संवाददाता

शिवपाल ने कहा कि हम तीन साल तक आपके संपर्क में रहे हैं। जिस पर योगी ने कहा कि हम अब भी संपर्क में हैं। अब किसी को कंफ्यूजन नहीं होना चाहिए।

लखनऊ। यूपी विधानसभा में बोलते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। योगी ने जहां नेता अखिलेश यादव पर कटाक्ष किए तो वहीं शिवपाल यादव पर उनका रुख नरम दिखा। शिवपाल यादव को लेकर सीएम योगी ने कहा कि आप जमीन से संघर्ष कर आगे बढ़े हैं और आपको संघर्ष की कीमत का पता है। आपके साथ हमेशा अन्याय हुआ है। अगर आप हमारे साथ होते तो आज तस्वीर कुछ और होती। हम संघर्ष का सम्मान करते हैं।

सीएम योगी विधानसभा में सिंचाई परियोजनाओं का जिक्र करते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियां गिना रहे थे, उन्होंने कहा कि अधूरी पड़ी सिंचाई परियोजनाओं को हमने पूरा किया। इस बीच शिवपाल ने उन्हें टोकते हुए कहा कि अगर छह महीने पहले विभाग से हमें नहीं हटाया जाता तो योजना हम पूरा कर लेते। हमने 90 फिसदी काम पूरा कर लिया था। इस पर सीएम योगी ने कहा कि जनता को पता था कि आप पूरा नहीं करेंगे तो इसलिए ही जनता ने हमें चुना। आप तो काम करना चाहते थे लकिन आपको काम करने नहीं दिया गया। योगी ने कहा कि यही तो आपके साथ अन्याय हुआ है, अगर आप हमारे साथ होते तो आज तस्वीर ही कुछ और होती। इस पर शिवपाल ने कहा कि हम तीन साल तक आपके संपर्क में रहे हैं। जिस पर योगी ने कहा कि हम अब भी संपर्क में हैं। अब किसी को कंफ्यूजन नहीं होना चाहिए। जिसके बाद सदन में ठहाके लगने लगे।

सत्ता पक्ष का दावा, इससे बेहतर बजट आज तक नहीं बना

मंगलवार को विधान परिषद में बजट सत्र पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने छात्रों, नौजवानों एवं किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। जबकि सत्ता पक्ष ने कहा कि इससे बेहतर बजट अब तक नहीं बना है। चर्चा के दौरान दोनों पक्षों के बीच लगातार नोंकझोंक हुई। सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने बजट की चर्चा करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति के हॉस्टलों की दशा खराब हैं। इन हॉस्टलों के गिरने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। भाजपा एमएलसी डॉ. हरी सिंह ढिल्लो ने कहा कि बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने कानून व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि उन पर जानलेवा हमला करने वाले और हत्या की धमकी देने वालों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। बीएचयू सहित अन्य विश्वविद्यालयों में जानबूझकर छात्रों को फेल किया जा रहा है। एलआईसी सहित अन्य संस्थाओं का निजीकरण हो रहा है। इस पर विद्यासागर सोनकर ने कहा कि बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। विपक्ष को नहीं दिखाई पड़ रहा है। भाजपा के अरुण पाठक ने कहा कि सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य किया है।

खुल गई पोल: चीन से उड़े ड्रोन ने पाकिस्तान में भरीं 28 उड़ानें, फिर भारत में घुसने लगा तो BSF ने मार गिराया

बीएसएफ के अनुसार, 25 दिसंबर 2022 को शाम 7:45 बजे, अमृतसर सेक्टर की राजाताल बीओपी के निकट पाकिस्तान से आया एक क्वाडकॉप्टर ड्रोन देखा गया। वह भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा था। इससे पहले कि वह ड्रोन वापस पाकिस्तान सीमा में लौट जाता, बीएसएफ ने उसे मार गिराया...

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल ने पाकिस्तान से पंजाब में हथियार और नशे की खेप लेकर आने वाले 'ड्रोन' की कुंडली खोज निकाली है। हालांकि बीएसएफ ने पहले भी पंजाब की सीमा में घुसने का प्रयास करने वाले जितने ड्रोन मार गिराए गए थे, उनके बारे में यह आशंका जताई थी कि अधिकांश ड्रोन चीन निर्मित हैं। उन्हें पहले पाकिस्तान में लाया जाता है, उसके बाद ड्रोन की तकनीक में थोड़ा बहुत बदलाव किया जाता है। इसके बाद ड्रोन को हथियार, कारतूस और ड्रग्स से लैस कर उसे पंजाब की सीमा में घुसाने का प्रयास होता है। बल ने अपनी लैब में जब एक ड्रोन की कुंडली खंगाली, तो बल की आशंका पर मुहर लग गई। चीन के शंघाई से एक ड्रोन उड़ता है। वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पहुंच जाता है। वहां पर वह ड्रोन 28 उड़ान भरता है। इसके बाद जब वह ड्रोन भारत में घुसने लगा तो बीएसएफ ने उसे मार गिराया।

बीएसएफ के पूर्व डीजी पंकज कुमार सिंह ने अपनी रिटायरमेंट से कुछ समय पहले कहा था कि पाकिस्तान से आने वाले ज्यादातर ड्रोन चीन निर्मित हैं। पाकिस्तान, उन ड्रोन की तकनीक में कुछ बदलाव करता है। इसका मकसद, भारतीय सुरक्षा बलों की नजर से ड्रोन को दूर ले जाना था। यानी, ड्रोन में ब्लिंक करने वाले सिस्टम को बंद कर दिया जाता था। पंजाब से लगती सीमा पर बीएसएफ ने ड्रोन पर नजर रखने के लिए अपने जवानों को विशेष ड्यूटी सौंपी है। बीएसएफ जवानों के साथ महिला प्रहरी भी, सीमा पार से आने वाले ड्रोन पर नजर रखती हैं। पहले ड्रोन को तकनीक के माध्यम से खत्म करने का प्रयास किया जाता है। जब वह प्रयास सफल नहीं होता तो ड्रोन को भारतीय सीमा में घुसने से रोकने के लिए उस पर फायर किया जाता है। जब तक वह ड्रोन गिर नहीं जाता, उस पर फायरिंग जारी रहती है। कई अवसरों पर बीएसएफ के निशाने से बचने के लिए ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा में लौट जाता है।

बीएसएफ के अनुसार, 25 दिसंबर 2022 को शाम 7:45 बजे, अमृतसर सेक्टर की राजाताल बीओपी के निकट पाकिस्तान से आया एक क्वाडकॉप्टर ड्रोन देखा गया। वह भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा था। इससे पहले कि वह ड्रोन वापस पाकिस्तान सीमा में लौट जाता, बीएसएफ ने उसे मार गिराया। बीएसएफ की फॉरेंसिक रिपोर्ट में उस ड्रोन की जांच पड़ताल की गई। खुलासा हुआ कि उस ड्रोन ने चीन के शंघाई के फेंग जियान जिले से उड़ान भरी थी। इसके बाद वह ड्रोन पाकिस्तान पहुंच गया। वहां उस ड्रोन ने 24 सितंबर 2022 से लेकर 25 दिसंबर 2022 तक 28 उड़ान भरीं। ये सभी उड़ानें पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के खेनेवाल इलाके में दर्ज की गईं। बीएसएफ की जांच में हुए इस खुलासे ने साबित कर दिया है कि भारत में हथियार और ड्रग्स भेजने में चीन, पाकिस्तान की मदद कर रहा है।

तेज रफ्तार कार ने दो किशोरियों को मारी टक्कर, दूसरी तरफ से आ रही गाड़ी ने कुचला

रुड़की में मंगलौर के नारसन में हाईवे पर तेज गति से आ रही स्विफ्ट दो किशोरियों को टक्कर मारने के बाद डिवाइडर में घुस गई। टक्कर से हवा में उछलते हुए दोनों किशोरियां सड़क के दूसरी ओर गिरीं, तो दूसरी ओर से आ रही कार ने एक किशोरी को कुचल दिया। गंभीर हालत में दोनों को आस-पास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

बुधवार सुबह ग्राम मंडावली निवासी नरगिस (14) व इनायत (7) हाईवे पार कर दुकान से सामान लेने गई थीं। कुछ देर बाद सामान लेकर दोनों लौट रही थीं। दोनों हाईवे पर बने कट के पास पहुंची भी नहीं थी कि दिल्ली की ओर से तेज गति से आ रही एक कार अनियंत्रित हो गई और सीधे दोनों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार हाईवे के बीच बने डिवाइडर पर चढ़ गई। कार की टक्कर से दोनों उछलकर विपरीत दिशा में जा गिरीं।

उधर, मंगलौर की ओर से जा रही एक कार ने एक किशोरी नरगिस को कुचल दिया। सड़क पर पड़ी दोनों किशोरियों को पीछे से आ रहे वाहनों से बचाने के लिए लोग सड़क पर खड़े हो गए। लोगों ने मामले की सूचना पुलिस दी।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आस-पास के लोगों की सहायता से गंभीर रूप से घायल हुई दोनों लड़कियों को रुड़की अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से चिकित्सकों ने उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

दिल्ली की ओर से आ रही कार किशोरियों को टक्कर मारने के बाद डिवाइडर में घुसकर रुक गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तेज आवाज के साथ ही धूल का गुबार उठा। इस धूल में एक बार को सड़क पर सामने की ओर दिखाई देना भी बंद हो गया।

हादसे के बाद दोनों चालक मौके से फरार हो गए। वहीं, यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इस संबंध में साजिद निवासी मंडावली ने पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाली प्रभारी मनोज मैनवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर दोनों किशोरियों को पहले टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। साथ ही कार को कब्जे में ले लिया गया है। कार सवार की तलाश की जा रही है।